हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 25 जून 2025 | अंक 251/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ से परेशान ही ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल ब्रॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

ट्रम्प बोले: जंग रुकी; कुछ देर बाद ईरान ने मिसाइलें दागीं, जवाब में इजराइल ने बम गिराए

क्या ट्रंप की सर्जिकल स्ट्राइक भी फर्जिकल स्ट्राइक थी ?

ईरानी राष्ट्रपति बोले- अमेरिका-इजराइल की जबरदस्ती नहीं चलेगी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि इजराइल और अमेरिका जबरदस्ती अपनी इच्छाएं नहीं थोप सकते। यह बात उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति के साथ फोन वार्ता के दौरान कही। पेजेशकियन ने कहा- ईरान को अपनी रक्षा के लिए इस सैन्य संघर्ष में उतरना पड़ा। मैं उम्मीद करता हूं कि हमें फिर कभी लड़ाई न करनी पड़े।

तेहरान.

इजराइल-ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार सुबह सीजफायर का ऐलान किया। हालांकि यह कुछ घंटों में ही टूट गया। सीजफायर शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं। ईरानी हमले के जवाब में इजराइल ने अपनी सेना को तेहरान में हमले का आदेश दिया था। थोड़ी देर पहले इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक रडार साइट पर हमला किया। इजराइली आर्मी रेडियो ने हमले की पुष्टि की है। ताजा हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को फोन करके ईरान पर हमला रोकने को कहा था। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा, 'मैं हमला नहीं रोक सकता, क्योंकि ईरान ने पहले सीजफायर का उल्लंघन किया और उसे जवाब देना जरूरी है। दोनों देशों के बीच जारी जंग के 12वें दिन, आज सुबह 3:32 बजे ट्रम्प ने सीजफायर पर सहमति बनने का ऐलान किया था। सुबह 10:38 बजे उन्होंने एक और पोस्ट किया और लिखा- "अभी से सीजफायर लागू होता है, प्लीज इसे न तोड़ें।"

ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिकी एयरबेस पर हमले को लेकर कतर से माफी मांगी

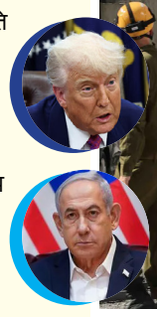

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमले के एक दिन बाद कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को फोन किया। ईरान के राष्ट्रपति ने कतर से उसके देश में अमेरिकी एयरबेस पर हमले के लिए माफी मांगी। पजशकियान ने कहा कि कतर और उसके लोग हमले का टारगेट नहीं थे। वहीं, कतर के अमीर शेख तमीम ने हमले की आलोचना दोहराई और इसे अपनी संप्रभुता और एयरस्पेस के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन माना।

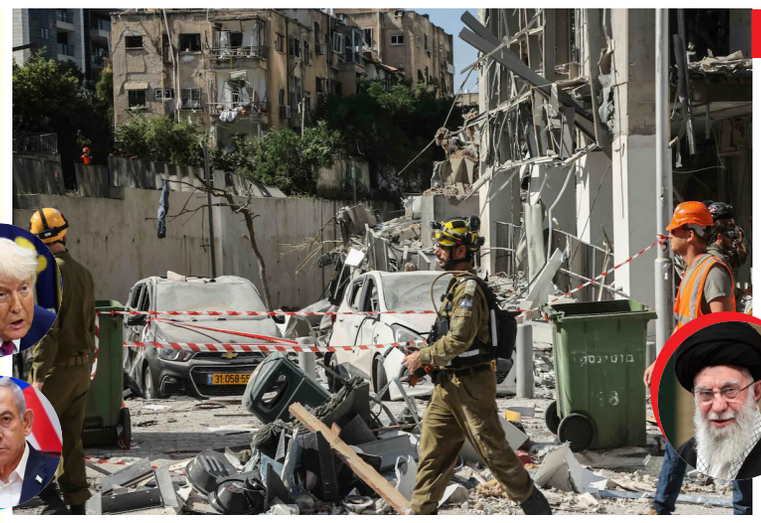

ईरानी हमलों से इजराइल में 28 लोगों की मौत, 3000 से ज्यादा घायल

इजराइल के मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस सर्विस ने बताया है कि 12 दिनों के दौरान ईरानी हमलों में कुल 28 इजराइली मारे गए हैं। 3000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली डिफेंस फोर्स के अनुसार, युद्ध के दौरान ईरान ने इजराइल पर लगभग 550 बैलिस्टिक मिसाइलें और लगभग 1,000 ड्रोन दागे, जिनमें से अधिकांश को रोक दिया गया। आबादी वाले इलाकों में कम से कम 31 बैलिस्टिक मिसाइलें गिरीं। एक ड्रोन ने एक घर पर हमला किया।

इजराइल से जंग में ईरान के 14 वैज्ञानिक मारे गए, न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के साथ एक इंटरव्यू में फ्रांस में इजराइल के राजदूत ने कहा कि इजरायली हमलों में कम से कम 14 ईरानी वैज्ञानिकों की मौत हो गई है। इजराइल ने आरोप लगाया कि मरने वाले वैज्ञानिक परमाणु हथियार तैयार करने में शामिल थे। चीन बोला- हमें असल सीजफायर देखने की उम्मीद, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को तुर्की के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत में कहा कि चीन ईरान और इजराइल के संपर्क में है और असल सीजफायर होने की उम्मीद कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, वांग ने कहा कि सभी पक्षों को समान आधार पर बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए और ईरानी परमाणु मुद्दे के राजनीतिक समाधान के रास्ते पर लौटना चाहिए। भारत ने ईरान-इजराइल के बीच सीजफायर का स्वागत किया भारत ने ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर पर सहमति बनाने में अमेरिका और कतर की भूमिका का स्वागत किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'बातचीत और कूटनीति के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उम्मीद है कि सभी पक्ष स्थायी शांति की दिशा में काम करेंगे।'

ईरान-इजराइल सीजफायर 2.5 घंटे में ही टूटा

इजराइली हमले से ईरान के हाई-प्रोफाइल न्यूक्लियर साइंटिस्ट की मौत

ईरान के सरकारी टीवी ने बताया है कि मंगलवार सुबह इजराइली हमले में एक हाई प्रोफाइल ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट मोहम्मद रजा सेदिघी सबर की मौत हो गई है। पिछले 12 दिनों में इजरायली हमलों में मारे गए सीनियर परमाणु विशेषज्ञों की लिस्ट में उनका नाम भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद रजा सेदिघी सबर उत्तरी ईरान में मंगलवार की सुबह अपने ससुराल में मारे गए। उनके घर पर तीन प्रोजेक्टाइल गिरे थे। 13 जून को इजराइल के शुरुआती हमलों में उनके 17 साल के बेटे की भी मौत हो गई थी मोहम्मद रजा पर पिछले महीने अमेरिकी विदेश विभाग ने बैन लगाया था। अमेरिकी विदेश विभाग ने मोहम्मद रजा को ईरान के डिफेंसिव इनोवेशन एंड रिसर्च संगठन के शाहिद करीमी ग्रुप का प्रमुख बताया था, जो विस्फोटकों से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम करते थे। साथ ही वह परमाणु हथियारों के निर्माण से जुड़ी अनुसंधान और परीक्षण जैसी गतिविधियों में शामिल थे।

आर्मी फायर रेंज में हादसा

> डमी बम सिर पर गिरने से सेना के जवान की मौत

भोपाल. मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आर्मी रेंज में एक बड़ा हादसा हो गया। सुखी सेवनिया थाना इलाके में स्थित आर्मी की फायरिंग रेंज में ड्रोन के जरिए बम गिराने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। इसी दौरान एक डमी बम काफी ऊंचाई से जवान के सिर पर आ गिरा। बम सिर पर गिरने के कारण जवान को गंभीर चोट आई थी जिसे साथी जवान तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई। भोपाल शहर के सूखी सेवनिया थाना इलाके में स्थित आर्मी रेंज में ड्रोन के जरिए बम गिराने की ट्रेनिंग जवानों को दी जा रही थी। ट्रेनिंग में जवान विजय सिंह भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि ट्रेनिंग के दौरान ही 400 फीट की ऊंचाई से एक डमी बम विजय सिंह के सिर पर आ गिरा जिससे उन्हें सिर में गंभीर चोट आई। तुरंत साथी जवान विजय सिंह को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान विजय सिंह की मौत हो गई। जानकारी मुताबिक जवान विजय सिंह उत्तराखंड के रहने वाले थे और भोपाल के बैरागढ़ सेवा कार्यालय में हवलदार के पद पर तैनात थे। जवान विजय सिंह की मौत के बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि तकनीकी गड़बड़ी और मानवीय चूक के चलते यह हादसा हुआ है।

गुना में दर्दनाक हादसा

> कुएं में संदिग्ध जहरीली गैस से 3 लोगों की मौत, 2 की हालत नाजुक

भोपाल. मध्यप्रदेश के गुना जिले में मंगलवार को एक बछड़े को बचाने के लिए कुएं में उतरे तीन व्यक्तियों की संदिग्ध जहरीली गैस से मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना धरनावदा गांव की है जहां 6 व्यक्ति एक बछड़े को बचाने के लिए कुएं में उतरे थे. गुना कलेक्टर किशोर कन्याल ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई. उन्होंने कहा, 'प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बछड़े को बचाने के लिए छह लोग कुएं में उतरे थे. उनमें से तीन की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर हालत में बचा लिया गया और उन्हें गुना जिला अस्पताल ले जाया गया. छह में से केवल एक व्यक्ति ही सुरक्षित बाहर निकल पाया. कलेक्टर ने बताया कि प्रथम दृष्टया तीनों की मौत संदिग्ध रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस की वजह से हुई. उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है. उन्होंने कहा कि कुएं में करीब 12 फुट पानी है जिसकी वजह से गेल की केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई, राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल और विभिन्न एजेंसियों के दलों से बचाव अभियान में दिक्कतें आयीं. पुलिस गेल की सीआईएसएफ इकाई, एसडीआरएफ की टीम कुएं में उतरे लोगों को निकालने में लगी है.

फिर मिली हिमाचल हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

शिमला. हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है. 15 दिनों में दूसरी बार यह धमकी ईमेल के माध्यम से भेजी गई है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है. बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया. बता दे कि 15 दिन पहले भी हाईकोर्ट को आईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से हमला करने और मानव आत्मघाती बम से उड़ाने की धमकी मिली थी. उस वक्त कोर्ट को खाली करवाना पड़ा था, लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था. अब दोबारा ऐसी ही धमकी से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. इससे पहले भी हिमाचल के मुख्य सचिव कार्यालय, हमीरपुर, कुल्लू, चम्बा और कांगड़ा के डीसी ऑफिस भी बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं.

इंग्लैंड ने शान से जीता पहला टेस्ट

371 रन डिफेंड नहीं कर सकी टीम इंडिया

लीड्स. भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने टीम इंडिया को 5 विकेट से करारी शिकस्त दी. भारत के 371 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने बेन डकेट और क्राउली के बाद रूट की सराहनीय पारी के दम पर आसानी से चेज कर लिया. बुमराह, सिराज और जडेजा जैसे दिग्गजों से सजी भारतीय गेंदबाजी पूरे मुकाबले में विकेट के लिए तरसती रही. आखिरकार 5 मैचों की सीरीज में मेजबान टीम अब 1-0 से आगे है. बता दें कि भारतीय टीम ने इंग्लैंड के सामने 371 रनों का टारगेट सेट किया था. मुकाबले में भारत की पहली पारी 471 और इंग्लैंड की पहली पारी 465 रनों पर सिमटी थी. यानी पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 6 रनों की बढ़त मिली थी. फिर भारत ने अपनी दूसरी पारी में 364 रन बनाए. जिसके बाद इंग्लैंड के सामने 371 रनों का लक्ष्य था. जिसे इंग्लैंड ने चेज कर लिया. डकेट ने 149 रन बनाए और क्राउली के बल्ले से 65 रन आए. वहीं, रूट ने भी नाबाद फिफ्टी लगाई. इंग्लैंड ने इस 4 विकेट की जीत से इतिहास रच डाला है. यह इंग्लैंड द्वारा अपने ही देश में सफलतापूर्वक चेज किया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. अपनी धरती पर इंग्लैंड का सबसे बड़ा रन चेज भारत के ही खिलद आया था, जब 2022 में इंग्लिश टीम ने बर्मिंघम टेस्ट में 378 रनों का टारगेट चेज किया था.

अहमदाबाद विमान हादसे में 275 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली. गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को पहली बार अहमदाबाद में एयर इंडिया बोइंग ड्रीमलाइनर दुर्घटना में हुई मौतों का आधिकारिक आंकड़ा जारी किया है. स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस घटना में कुल 275 लोगों की मौत हुई थी. इनमें से 241 विमान में सवार थे, जबकि क्रैश होने के वक्त विमान की चपेट में आने से 34 अन्य लोगों की भी जान चली गई थी. 12 जून को लंदन जाने वाली फ्लाइट के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से अब तक कुल मौतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी. मरने वालों में 120 पुरुष, 124 महिलाएं और 16 बच्चे शामिल हैं. अब तक 256 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं. बाकी बचे शवों की डीएनए पहचान अभी भी जारी है. डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील होती है, जिसमें कई कानूनी पहलू भी शामिल होते हैं. इसलिए यह कार्य बेहद गंभीरता, सटीकता और शीघ्रता से किया जाता है. एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान का ब्लैक बॉक्स और उसका कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर दुर्घटना के कुछ दिनों बाद मलबे से बरामद किया गया था. एएआईबी के अलावा, अमेरिका का राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) भी विमान दुर्घटना की समानांतर अंतरराष्ट्रीय जांच का नेतृत्व कर रहा है.

देवेंद्र फडणवीस कैबिनेट हुई हाईटेक! सभी मंत्रियों को मिले आईपैड

मुंबई. महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मंगलवार को डिजिटलीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पूरी तरह 'पेपरलेस' होने की घोषणा की. इसके तहत सभी मंत्रियों को आईपैड वितरित किए गए हैं. राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अब मंत्रिमंडल की बैठक के एजेंडे, टिप्पणियां और पिछली बैठकों के विवरण ईमेल के माध्यम से भेजे जाएंगे. यह दस्तावेज मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों को प्राप्त होंगे. दस्तावेज मंत्रीगण सीधे अपने आईपैड पर देख सकेंगे. छगन भुजबल ने बताया कि इस पहल को सफल बनाने के लिए राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने मंत्रियों को आईपैड के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण दिया.

हर मंत्री को डिवाइस के साथ लॉगिन आईडी, पासवर्ड और आधिकारिक ईमेल खाते की जानकारी भी दी गई.भुजबल ने कहा कि मंत्रिमंडल बैठकों के दौरान की गई प्रस्तुति (पीपीटी) और पूर्व के फैसलों का पूरा रिकॉर्ड अब ईमेल के माध्यम से उपलब्ध होगा.सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में शासन निर्णय जारी किया.

इस पहल के तहत, मंत्रीगण आईपैड पर ही कैबिनेट के प्रस्ताव देख सकेंगे और प्रत्येक मंत्री को दस्तावेजों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए एक सुरक्षित पासवर्ड दिया जाएगा. हालांकि इस पहल को लेकर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं. कई लोगों को यह शंका है कि क्या सभी मंत्री इन iPad का सही तरीके से इस्तेमाल कर पाएंगे. दरअसल, कैबिनेट के कुछ वरिष्ठ मंत्री तकनीक से उतने परिचित नहीं माने जाते, जिससे इस डिजिटल बदलाव की सफलता पर संदेह बना हुआ है. वैसे भी, इससे पहले जब विधायकों को लैपटॉप दिए गए थे तो वो भी ज्यादा उपयोग में नहीं आ पाए थे. कई रिपोर्टों में कहा गया कि वे डिवाइस बस रखे रह गए, इस्तेमाल बहुत कम हुआ.

खून बहाने वालों को नहीं बख्शेंगे

पीएम मोदी ने 22 मिनट में दुश्मन को झुकाया

नई दिल्ली.

❍ भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है. कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है. आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है. एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए. 100 साल पहले नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है. 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया है. पीएम मोदी ने कहा, दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है. हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है. खून बहाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. हमने 22 मिनट में दुश्मन को घुटनों पर ला दिया. पीएम मोदी मंगलवार को दिल्ली में श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक संवाद की शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे. पीएम मोदी ने कहा, हाल ही में दुनिया ने भारत की क्षमता देखी.

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्पष्ट नीति को पूरी दुनिया के सामने रख दिया. हमने दिखा दिया कि जो भारतीयों का खून बहाते हैं, उनके लिए दुनिया में कहीं भी सुरक्षित जगह नहीं है.

आज का भारत वही कदम उठाता है जो संभव है और जो राष्ट्रहित में सही है. प्रधानमंत्री मोदी का कहना था कि रक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर भारत की निर्भरता लगातार घट रही है. हम रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बन रहे हैं. इसका असर हमने ऑपरेशन सिंदूर में भी देखा. हमारी सेनाओं ने 'मेड इन इंडिया' हथियारों की मदद से दुश्मनों को सिर्फ 22 मिनट में घुटनों पर ला दिया. मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में 'मेड इन इंडिया' हथियारों की पहचान दुनियाभर में होगी.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, नारायण गुरु के सिद्धांत मानवता के लिए एक महान धरोहर हैं. जो लोग देश और समाज की सेवा का संकल्प लेकर काम करते हैं, उनके लिए नारायण गुरु एक प्रकाशस्तंभ की तरह हैं.

भारत बना ग्लोबल टैलेंट हब

> जीसीसी से मिल रही लाखों को नौकरियां

नई दिल्ली.

भारत में बेरोजगारी आज भी एक बड़ी मुसीबत है. भले ही देश की अर्थव्यवस्था (जीसीसी) के आंकड़े चमक-दमक दिखाते हों, लेकिन नौकरियों की क्वालिटी और स्किल की कमी की वजह से लाखों युवा रोजगार के लिए तरस रहे हैं. लेकिन अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) इस मंजर को बदलने की ताकत बनकर उभरे हैं.

ये सेंटर्स न सिर्फ नौकरियां दे रहे हैं, बल्कि हाई-टेक और हाई-स्किल जॉब्स का नया दौर शुरू कर रहे हैं. आइए जानते हैं कि कैसे जीसीसी भारत के जॉब मार्केट को नई शक्ल दे रहे हैं और क्या ये सचमुच बेरोजगारी की जंग जीत सकते हैं.

1990 के दशक में जब विदेशी कंपनियों ने भारत में अपने बैक ऑफिस खोलने शुरू किए, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि ये छोटा-सा कदम एक दिन भारत को दुनिया का जीसीसी हब बना देगा. आज भारत में

1,800 से ज्यादा जीसीसी हैं, जो 21 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहे हैं. इ इंडिया की मानें तो दुनिया के 45-50% जीसीसी भारत में हैं.

ये सेंटर्स अब सिर्फ कॉल सेंटर्स या डेटा एंट्री का ठिकाना नहीं हैं. ये इनोवेशन, प्रोडक्ट डिजाइन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और रिसर्च का पावरहाउस बन चुके हैं. टैलेंट 500 की एक रिपोर्ट कहती है कि ये जीसीसीभारत के जीडीपी में 1.5% से ज्यादा का योगदान दे रहे हैं और ये आंकड़ा आने वाले सालों में और बढ़ेगा. अगले पांच साल में ये 20 लाख से ज्यादा नई नौकरियां पैदा कर सकते हैं. ये जॉब्स कोई मामूली नहीं हैं. डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, एआई मशीन लर्निंग, डिजाइन थिंकिंग और फाइनेंस जैसे हाई-स्किल फील्ड्स में मौके बढ़ रहे हैं लेकिन साथ में एक बड़ी चुनौती भी है.

रैंडस्टैड डिजिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर मिलिंद शाह कहते हैं, "एआई से जॉब्स के मौके तो बढ़ रहे हैं, लेकिन ऑटोमेशन की वजह से कुछ जॉब्स खतरे में भी हैं. इसे कंट्रोल करने के लिए तेजी से रीस्किलिंग की जरूरत है. लोगों को साधारण कामों से हटाकर ज्यादा स्मार्ट और स्ट्रैटेजिक रोल्स में लाना होगा.

सरकार का साथ, निवेश की बौछार

भारत सरकार जीसीसी को बढ़ाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है.आईटी, बीएफएसआई और हेल्थकेयर जैसे सेक्टर्स में 100% एफडीआई की छूट ने विदेशी कंपनियों के लिए रास्ता आसान किया है. 2024 में आईटी और सेमीकंडक्टर जीसीसी ने 2.2 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ है. माइक्रोसॉफ्ट, सिस्को, ब्लैकरॉक और सैनोफी जैसी बड़ी कंपनियां भारत में अपने ऑपरेशंस तेजी से बढ़ा रही हैं.

ओप्पो के13x 5जी लॉन्च, दमदार और स्टाइलिश स्मार्टफोन

नई दिल्ली.

ओप्पो इंडिया ने अपने सेगमेंट में सबसे मज़बूत 5जी स्मार्टफोन ओप्पो के13एक्स 5जी पेश किया है। यह बिना किसी समझौते के ड्यूरेबिलिटी और ऑल-राउंड फंक्शनैलिटी पसंद करने वाले युवा विद्यार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए बनाया गया है। के13x5जी SGS मजबूती के लिए गोल्ड ड्रॉप सर्टिफिकेशन और एमआईएल-एसटीडी 810एच मिलिट्री-ग्रेड मानकों के साथ आता है। इसलिए यह अपने सेगमेंट में सबसे अधिक मजबूत डिवाइस है।

इसमें 360° डैमेज-प्रूफ आर्मर बॉडी है, जो एयरोस्पेस-ग्रेड एएम04 एल्युमिनियम एलॉय से बनी है। क्रिस्टल शील्ड ग्लास और गहरे समुद्री स्पंज से प्रेरित बायोमिमेटिक स्पंज शॉक एब्जॉर्प्शन सिस्टम इसकी मजबूती को बढ़ा देते हैं।

आईपी65 वॉटर और डस्ट रेजिस्टेंस के साथ, ओप्पो के13X 5जी ड्यूरेबिलिटी का नया मानक स्थापित करता है, तथा स्टाइल या उपयोग से समझौता किए बिना बेजोड़ मजबूती प्रदान करता है।

ओप्पो के13x 5जी के 4जीबी +128जीबी वैरिएंट का मूल्य आईएनआर 11,999, 6जीबी

+128जीबी वैरिएंट का मूल्य आईएनआर 12,999 और 8GB+128GB वैरिएंट का मूल्य आईएनआर14,999 है। ये सभी वैरिएंट 27 जून 2025 से ओप्पो ई-स्टोर और फ्लिपकार्ट पर दोपहर 12 बजे से मिलना शुरू होंगे। ये दो कलर्स मिडनाइट वॉयलेट और सनसेट पीच में आएंगे। इन स्मार्टफोन्स पर ग्राहकों को बैंक ऑफर या आईएनआर1000 के एक्सचेंज बोनस और 3 महीने के नो कॉस्ट ईएमआई विकल्प के साथ सेल के दिन 4जीबी और जीबी वैरिएंट पर आईएनआर 1,000 का इंस्टैंट डिस्काउंट तथा 8जीबी वैरिएंट पर आईएनआर2,000 का इंस्टैंट डिस्काउंट मिलेगा

सोनी इंडिया ने पेश की नई ब्राविया 8 II सीरीज़

नई दिल्ली.

होम एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए बड़ी खबर! सोनी इंडिया ने आज अपनी अत्याधुनिक तकनीक से लैस ब्राविया 8 II सीरीज़ का अनावरण किया है। यह नई सीरीज़ क्यूडी-ओएलईडी डिस्प्ले, एआई -समर्थित एक्स प्रोसेसर, और प्रीमियम स्ट्रीमिंग मोड्स के साथ अब भारत में उपलब्ध है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को सिनेमाघर जैसी पिक्चर और ऑडियो क्वालिटी उनके अपने घरों में उपलब्ध कराना है। ब्राविया 8 II में मौजूद एआई सिन रिकग्निशन तकनीक एक्सआर प्रोसेसर के ज़रिए सीन का विश्लेषण कर उसे बिल्कुल वैसा ही प्रस्तुत करती है जैसा कंटेंट क्रिएटर चाहता है। यह सुनिश्चित करते हैं कि पिक्चर क्वालिटी ऑटोमैटिक रूप से कंटेंट के अनुसार कैलिब्रेट हो।

नई ब्राविया सीरीज़ में एक्सआर कंट्रास्ट बूस्टर 25, उन्नत तापमान सेंसर और हाई-ब्राइटनेस पैनल है, जो गहरे काले और तेज़ सफेद रंगों के साथ हर फ्रेम को जीवंत बनाता है। कमरे में किसी भी कोण से देखें, पिक्चर क्वालिटी में कोई समझौता नहीं। इस तकनीक में पूरा डिस्प्ले ही एक स्पीकर बन जाता है, जिससे ऑडियो पिक्चर के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। इसके साथ ही इन-बिल्ट सबवूफ़र शानदार बास प्रदान करता है. बिना अतिरिक्त स्पीकर्स के।

ब्राविया 8 II सीरीज़ के साथ 24 महीनों के लिए ग्राहक 10 मुफ्त मूवी क्रेडिट पा सकते हैं। ये फिल्में आईएमएक्स एनहांस्ड और 4के एचडीआर फॉर्मेट में उपलब्ध होंगी. बिल्कुल थिएटर जैसी क्वालिटी। ब्राविया 8 II जल्द ही देशभर के सभी प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी।

कीमत और ऑफर्स की जानकारी के लिए सोनी इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत विक्रेताओं से संपर्क करें।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट में भारत की प्रगति तेज़

नई दिल्ली.

भारत के लिए अच्छी खबर सामने आई है. दरअसल, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स में उसने कई पायदान की छलांग लगाई है. यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क्स की 10वीं और नई सस्टेनेबल रिपोर्ट (एसडीआर) सामने आई है. इस रिपोर्ट में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को हासिल करने के लिए 167 देशों की रैंकिंग जारी की गई, जिसमें भारत ने 100वें स्थान में जगह बना ली है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2025 में SDG इंडेक्स में 67 पॉइंट के साथ 99वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि चीन 74.4 पॉइंट के साथ 49वें और यूएस 75.2 पॉइंट के साथ 44वें स्थान पर काबिज है. पिछले आंकड़ों की बात की जाए तो भारत 2024 में 109वें, 2023 में 112वें, 2022 में 121वें, 2021 में 120वें, 2020 में 117वें, 2019 में 115वें, 2018 में 112वें और 2017 में 116वें स्थान पर रहा है. वहीं, भारत के पड़ोसियों की बात की जाए तो भूटान 70.5 अंकों के साथ 74वें स्थान पर है, नेपाल 68.6 अंकों के साथ 85वें स्थान पर है, बांग्लादेश 63.9 अंकों के साथ 114वें स्थान पर है और पाकिस्तान 57 अंकों के साथ 140वें स्थान पर है. इसके अलावा देश के समुद्री पड़ोसी मालदीव 53वें और श्रीलंका 93वें पायदान पर हैं. 2015 में SDG को अपनाया गया था. इसको लेकर आइडिया दिया गया था 2030 तक विकास मैट्रिक्स में किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए. सस्टेनेबल डेवलपमेंट का स्कोर 0 से 100 के पैमाने पर नापा जाता है, जहां 100 यह दर्शाता है कि किसी देश ने सभी 17 टारगेट हासिल कर लिए हैं और 0 का मतलब है कि कोई प्रगति नहीं हुई है. रिपोर्ट तैयार करने वालों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर एसडीजी की प्रगति थम गई है. 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की ओर से अपनाए गए 17 टारगेट्स में से केवल 17 फीसदी ही 2030 तक हासिल किए जा सकेंगे. इस रिपोर्ट के लीड ऑथर और विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स हैं.

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम फायदेमंद

नई दिल्ली.

अगर आप शादीशुदा हैं और एक सुरक्षित व नियमित आय का स्रोत चाहते हैं, तो आपके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम बेहद फायदेमंद साबित हो सकती है. यह सरकारी योजना ऐसे कपल्स के लिए है जो शादी के बाद मिलकर एक स्थिर वित्तीय भविष्य की योजना बनाना चाहते हैं.

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम एक ऐसी बचत योजना है जिसमें आपको हर महीने एक निश्चित ब्याज की रकम मिलती है. यह योजना खासतौर पर उन लोगों के लिए बनाई गई है जो अपने पैसे को सुरक्षित निवेश में लगाकर हर महीने तय इनकम पाना चाहते हैं.इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सिंगल और

ज्वॉइंट दोनों प्रकार के खाते खोले जा सकते हैं. शादीशुदा जोड़े अगर मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलें, तो वे अधिक पैसा जमा कर सकते हैं और हर महीने ज़्यादा ब्याज कमा सकते हैं.

यह पूरी तरह सुरक्षित है क्योंकि यह सरकार द्वारा समर्थित योजना है.रिटर्न फिक्स्ड और समय पर मिलता है.शादीशुदा जोड़े मिलकर ज्यादा निवेश कर सकते हैं और ज्यादा फायदा उठा सकते हैं. मैच्योरिटी के बाद भी खाते को बढ़ाया जा सकता है.अगर आप एक शादीशुदा कपल हैं और भविष्य के लिए एक स्थिर मासिक आय चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम एक बेहतरीन विकल्प है. इसमें निवेश कर आप न केवल अपने पैसे को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि हर महीने अच्छी खासी इनकम भी पा सकते हैं.

हेयर ऑयल कंपनी के शेयरों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली.

भारतीय शेयर बाजार में आज जबरदस्त तेजी देखने को मिली, जिसमें सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की उछाल के साथ कारोबार कर रहा है. सेंसेक्स की लगभग सभी कंपनियां हरे निशान में रहीं, जिससे निवेशकों का उत्साह बढ़ा है. इस तेजी के बीच हेयर ऑयल और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स के लिए मशहूर कंपनी बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड के शेयरों में 20 फीसदी की शानदार रैली देखने को मिली. यह उछाल आठ सेशन की लगातार गिरावट को तोड़ने में सफल रहा, जिसने निवेशकों का ध्यान खींचा.

मंगलवार को बजाज कंज्यूमर लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 20

फीसदी की बढ़त के साथ 202.55 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गए.

इस तेजी के पीछे मजबूत ट्रेडिंग वॉल्यूम और निवेशकों की नई रुचि रही. बीएसई पर लगभग 5.32 लाख शेयरों का कारोबार हुआ, जो पिछले दो हफ्तों के औसत वॉल्यूम 30,000 शेयरों से कहीं अधिक है. इस दौरान कंपनी का टर्नओवर 10.25 करोड़ रुपये रहा और मार्केट कैपिटलाइजेशन 2,734.08 करोड़ रुपये तक पहुंच गया.

रेलिगेयर ब्रोकिंग के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट रवि सिंह के हवाले से बताया है कि यह तकनीकी चार्ट्स में शेयर मजबूत दिख रहा है और निकट भविष्य में यह 205 रुपये तक जा सकता है. उन्होंने निवेशकों को 188 रुपये पर स्टॉप लॉस लगाने की सलाह दी. वहीं, एंजेल वन के सीनियर एनालिस्ट ओशो कृष्ण ने कहा कि लंबे समय की गिरावट और कंसॉलिडेशन के बाद शेयर में मजबूत ब्रेकआउट देखने को मिला है.

कंपनी का प्राइस-टू-अर्निंग्स अनुपात 20.21 और प्राइस-टू-बुक वैल्यू 3.76 है. अर्निंग्स पर शेयर 9.92 रुपये और रिटर्न ऑन इक्विटी 18.61 फीसदी रहा. ट्रेंडलाइन डेटा के अनुसार, कंपनी का वन-ईयर बीटा 0.8 है, जो कम अस्थिरता दर्शाता है.

अडानी ने बनाया 5 साल का मास्टर प्लान

नई दिल्ली.

अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने मंगलवार को कहा कि उनकी योजना अगले पांच वर्ष में विभिन्न कारोबारों में रिकॉर्ड 15-20 अरब डॉलर का निवेश करने की है ताकि वृद्धि के अगले चरण का खाका तैयार किया जा सके. उन्होंने समूह के लगातार जांच के घेरे में आने के बीच उसके मजबूत बही-खाते का बखान किया. अडानी ने कहा कि बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों, नवीकरणीय ऊर्जा पार्क से लेकर डेटा सेंटर, सीमेंट से लेकर गैस और बिजली तक के व्यवसायों से हुई रिकॉर्ड आय ने भारत के सबसे बड़े

बुनियादी ढांचा समूह का निर्माण किया है, जो न केवल बाजारों की सेवा के लिए बल्कि राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में योगदान के लिए मौजूद है. समूह की वार्षिक आम बैठक को ऑनलाइन संबोधित करते हुए उन्होंने अक्षय ऊर्जा आपूर्ति ठेके हासिल करने के लिए कथित रिश्वतखोरी योजना में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा हाल ही में अभियोग चलाए जाने का उल्लेख किया और कहा कि अडानी समूह के किसी भी व्यक्ति पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है. उन्होंने कहा, लगातार जांच के बावजूद भी अडानी समूह कभी पीछे नहीं हटा. इसके बजाय, हमने साबित कर दिया कि सच्चा नेतृत्व धूप में नहीं बल्कि संकट की आग में तपकर तैयार होता है.

सोना-चांदी की चमक हुई फीकी

नई दिल्ली.

मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव ₹ 97,000 से नीचे चला गया, जबकि चांदी की कीमतों में भी करीब 1% की कमी आई. इस गिरावट की बड़ी वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा. इस खबर ने सोने की सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) की मांग को कम कर दिया, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय और भारतीय बाजारों में साफ दिखा. मंगलवार सुबह एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.58% की गिरावट के साथ 98,807 प्रति 10 ग्राम पर खुली, जो पिछले बंद भाव 99,388 से काफी कम है. दिन के शुरुआती कारोबार में सोने का भाव और नीचे गया और 96,422 के स्तर तक पहुंचा, जो 2.98% की भारी गिरावट को दर्शाता है. वहीं, चांदी की कीमतें भी 0.24% कम होकर 1,06,502 प्रति किलोग्राम पर खुलीं, जो पिछले बंद भाव 1,06,759 से कम है. चांदी का सबसे निचला स्तर 1,05,905 रहा. सुबह 9:10 बजे तक एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,210 यानी 1.22% की गिरावट के साथ 98,178 प्रति 10 ग्राम पर थी. चांदी की कीमत भी 825 यानी 0.77% कम होकर 1,05,934 प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी.

अब महंगी होगी रेल यात्रा!

> जुलाई से बढ़ सकता है ट्रेन का किराया

नई दिल्ली.

भारतीय रेलवे ने कई सालों बाद ट्रेन टिकटों के दाम बढ़ाने का फैसला किया है. ये नई दरें 1 जुलाई 2025 से लागू होंगी. साथ ही, तत्काल टिकट बुकिंग के लिए भी नए नियम बनाए गए हैं, जिसमें आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया गया है. रेल मंत्रालय का कहना है कि ये कदम आम यात्रियों को फायदा पहुंचाने के लिए उठाए गए हैं. रेलवे ने ट्रेन टिकटों की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी का ऐलान किया है. जानकारी के मुताबिक, नॉन-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में अब किराया 1 पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ेगा, जबकि एसी क्लास में यह बढ़ोतरी 2 पैसे प्रति किलोमीटर होगी. यह बढ़ोतरी भले ही छोटी लगे, लेकिन लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर थोड़ा असर डाल सकती है. उदाहरण के लिए, अगर कोई यात्री मुंबई से दिल्ली (1400 किलोमीटर) नॉन-एसी ट्रेन से सफर करता है, तो उसे 14 रुपये

रेलवे सिस्टम में भी होगा बदलाव

इन नए नियमों को लागू करने के लिए रेल मंत्रालय ने सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (क्रिस) और आईआरसीटीसी को जरूरी तकनीकी बदलाव करने के निर्देश दिए हैं. रेलवे ने सभी जोनल रेलवे डिवीजनों को भी इन बदलावों की जानकारी देने को कहा है. इसका मकसद तत्काल बुकिंग प्रक्रिया को और पारदर्शी और सुगम बनाना है.

ज्यादा देने होंगे, जबकि एसी क्लास में यह बढ़ोतरी 28 रुपये की होगी.

रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में भी बड़ा बदलाव किया है. 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा. रेल मंत्रालय ने 10 जून 2025 को एक आदेश जारी कर सभी रेलवे जोन को इसकी जानकारी दी. मंत्रालय का कहना है कि ये नियम इसलिए लाया गया है ताकि तत्काल स्कीम का फायदा असली यात्रियों को मिले, न कि दलालों या अनधिकृत एजेंट्स को.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

शक्तिपीठ हाईवे को मंजूरी

आदिवासी छात्रों के भत्ते दुगुने, कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले

मुंबई.

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की अहम बैठक में राज्य के बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण और कर नीति से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई इस हाईटेक कैबिनेट बैठक में शक्तिपीठ हाईवे परियोजना को मंजूरी दी गई, साथ ही आदिवासी छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए भत्तों में बढ़ोतरी का फैसला लिया गया. महाराष्ट्र शक्तिपीठ राजमार्ग-पवनार (वर्धा जिला) से पात्रा देवी (सिंधुदुर्ग जिला) तक महाराष्ट्र-गोवा सीमा एक्सप्रेसवे को मंजूरी। यह शक्तिपीठ राजमार्ग राज्य के साढ़े तीन शक्तिपीठों, दो ज्योतिर्लिंगों और पंढरपुर अंबाजोगाई सहित 18 तीर्थ स्थलों को जोड़ता है।

इस परियोजना के डिजाइन को मंजूरी के साथ-साथ भूमि अधिग्रहण के लिए 20 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान। (लोक निर्माण विभाग) आदिवासी शासकीय छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों के जीवन निर्वाह भत्ते, शैक्षणिक सामग्री क्रय भत्ते तथा भोजन भत्ते में वृद्धि की गई है। मासिक जीवन निर्वाह एवं भोजन भत्ते को दोगुना करने का निर्णय लिया गया है, तथा वार्षिक शैक्षणिक सामग्री क्रय भत्ते में भी वृद्धि की गई है। (आदिवासी विकास विभाग) कोयना बांध बेस पावर हाउस परियोजना के लिए संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति (जल संसाधन विभाग). महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन करके महाराष्ट्र माल और सेवा कर विधेयक आगामी सत्र में पेश किया जाएगा.

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए महाराष्ट्र कर, ब्याज, जुर्माना या विलंब शुल्क के बकाया के निपटान के लिए एक संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा. बांद्रा पूर्व में हाई कोर्ट के लिए आरक्षित भूखंड पर विस्थापितों द्वारा भुगतान की जाने वाली 31 करोड़ 75 लाख रुपए की फीस माफ कर दी गई है. यहां विस्थापितों के गैर-आवासीय और आवासीय मकान सार्वजनिक निर्माण विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित किए जाएंगे.

पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका क्षेत्र के एम. चिखली में 'दफन भूमि' के 1 हेक्टेयर 75 आर क्षेत्र के 40 फीसदी क्षेत्र (7000 वर्ग मीटर) को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए उपयोग करने की मंजूरी दी गई है.

जल व सीवेज परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

महाराष्ट्र शहरी अवसंरचना विकास ऋण योजना के अंतर्गत हुडको से लिए जाने वाले 2,000 करोड़ रुपए के ऋण के लिए सरकारी गारंटी प्रदान करने तथा इसके लिए गारंटी शुल्क माफ करने का निर्णय लिया गया है. इसमें छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका की जलापूर्ति परियोजना के हिस्से के लिए 822 करोड़ 22 लाख रुपए, नागपुर महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण की चार मलजल निपटान परियोजनाओं के लिए 268 करोड़ 84 लाख रुपये तथा मीरा-भायंदर महानगरपालिका की जलापूर्ति परियोजना के हिस्से के लिए 116 करोड़ 28 लाख रुपए शामिल हैं.

मानसून से उठेंगी मुंबई टाकू में सबसे ऊंची लहरें

मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई के लिए 24 जून से 28 जून तक येलो अलर्ट जारी किया है. लगातार 5 दिनों तक समुद्र में हाई टाइड का अलर्ट जारी किया गया है. हाई टाइड के दौरान समुद्र में साढ़े चार मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठेंगी.

पोते ने बुजुर्ग दादी को कूड़े के ढेर में फेंका

मुंबई. राजधानी मुंबई से मानवता झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पोते ने अपनी 60 साल की बीमार दादी को कूड़े में फेंक दिया. घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बुजुर्ग महिला से पूछताछ की तो उन्होंने इस बात का खुलासा किया. पुलिस ने बुजुर्ग महिला की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है. फिलहाल आरोपी पोता और उसके परिवार के सदस्य इस समय फरार चल रहे हैं. मुंबई के आरे इलाके में एक बूढ़ी महिला कूड़े के ढेर में कुछ लोगों को पड़ी हुई मिली. सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने बुजुर्ग महिला से पूछताछ में बुजुर्ग महिला ने हैरान करने वाला खुलासा किया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया है. बुजुर्ग महिला ने बताया कि मेरा नाम यशोदा गायकवाड़ है. मुझे स्किन कैंसर है इसलिए मेरा ही पोता मुझे कूड़े के ढेर में फेंककर चला गया था. बुजुर्ग महिला ने बताया कि पोते के पास इलाज के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे इसलिए उसने मुझे कूड़े में फेंक दिया था. इस पूरे मामले में हैरान करने वाली बात यह भी है कि जब पुलिस पीड़ित बुजुर्ग महिला को इलाज के लिए दो अलग-अलग अस्पतालों में पहुंची तो उन्होंने इलाज के लिए मना कर दिया. इसके बाद पुलिस के अनुरोध पर महिला का इलाज कूपर अस्पताल में शुरू हो गया है. पुलिस ने जब बुजुर्ग महिला से पूछताछ की तो उसने पुलिस को मलाड में एक घर का पता दिया. जब पुलिस ने उस पते पर जाकर तलाशी ली तो पता चला कि वहां ताला लगा हुआ है. फिलहाल पुलिस पोते और उसके परिवार की तलाश कर रही है. हालांकि, अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है. इस घटना ने मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया है. इस घटना ने रिश्तों में विश्वास को तार-तार कर दिया है और यह दिखा दिया है कि इंसानियत किस हद तक गिर सकती है.

अबू आजमी ने वारी यात्रा के विवादास्पद बयान पर मांगी माफ़ी

मुंबई. समाजवादी पार्टी से विधायक अबू आजमी ने वारी यात्रा पर दिए गए विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी है. उन्होंने कहा कि उनके बयान से गलतफहमी हुई और वारकरी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है. आजमी ने स्पष्ट किया कि उनका इरादा किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का नहीं था, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय के साथ हो रहे भेदभाव पर ध्यान आकर्षित करना था. उन्होंने अपने बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने का भी आरोप लगाया है. अबू आजमी अपने बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं. इसके कारण उन्हें विरोध का सामना भी करना पड़ता है. पिछली बार उन्होंने औरंगजेब को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद देशभर में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखने को मिले थे. इसके साथ ही मामला भी दर्ज किया गया था. नासिक में विधायक के गुस्से के बाद आखिरकार अबू आजमी ने माफी मांग ली है, लेकिन भाजपा आध्यात्मिक मोर्चा के अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अगर महाराष्ट्र की अस्मिता से खेलना जारी रखा तो वहीं दफना दिए जाओगे. विवाद बढ़ता देख अबू आजमी ने इस मामले में जल्दबाजी करते हुए माफी मांग ली है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि हाल ही में सोलापुर में मेरे द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर जो गलतफहमियां फैली हैं, मैं उन्हें स्पष्ट करना चाहता हूं. मेरे वक्तव्य को तोड़मरोड़ कर और दुर्भावनापूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया. यदि इससे वारकरी सम्प्रदाय की धार्मिक भावना आहत हुई हो, तो मैं अपने शब्द पूरी तरह से वापस लेता हूं और क्षमा चाहता हूं. मेरी मंशा कभी भी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी. उन्होंने आगे लिखा कि मैं एक समर्पित समाजवादी हूं और हमेशा से हर धर्म, संस्कृति, सूफी संतों तथा उनकी परंपराओं का आदर करता आया हूं.

बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ा

नासिक.

राज्य के कई जिलों में लगातार हो रही है और बारिश ने यहां जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. नदियों और तालाबों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे प्रशासन को अलर्ट जारी करना पड़ा है. नासिक, पालघर और पंढरपुर जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है. नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है. नासिक जिले में बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण गंगापुर बांध पूरी तरह लबालब हो गया है. 23 जून की सुबह से पाटबंधारे विभाग ने नासिक शहर के कादवा नदी में 6,240 क्यूसेक्स की रफ्तार से पानी छोड़ा है. इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने नागरिकों और सभी सरकारी एजेंसियों को सतर्क रहने की अपील की है. प्रशासन ने खासतौर से नदी किनारे बसे लोगों को चेतावनी दी है कि वे नदी के बहाव से दूर रहें और अपने जरूरी सामान और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं. किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी सरकारी तंत्रों को अलर्ट पर रखा गया है. नासिक जिले के बाद पालघर जिले में लगातार हो रही मूसलधार बारिश के कारण सूर्या, वैतरणा और पिंजाल जैसी प्रमुख नदियां उफान पर हैं. इससे कई तालाब और नाले भी जलमग्न हो गए हैं, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. जिले के दहानू, बोइसर, वाडा, जव्हार, मोखाडा, वसई-विरार और नालासोपारा क्षेत्रों में 4-5 दिनों से रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है. स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने आपदा प्रबंधन की ओर से 'अरेंज अलर्ट' घोषित किया है और नदी किनारे बसे लोगों का विस्थापन भी शुरू कर दिया गया है.

गुजरात में हटाई, महाराष्ट्र में क्यों थोप रहे?

> हिंदी पर शिवसेना का सवाल

मुंबई. राज्य में पहली क्लास से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के फैसले को लेकर महाराष्ट्र में विवाद छिड़ा है. शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में इसे लेकर फडणवीस सरकार पर जमकर हमला बोला है. सामना में लिखा, 'महाराष्ट्र सरकार के फैसले से स्थानीय जनता को ठेस लगी है. हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं है, लेकिन अगर हिंदी हमपर थोपी जाएगी तो हम याद रखेंगे, हमारी मातृभाषा हमारा स्वाभिमान है, ये हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बीजेपी के शासन में जिन भी मराठी लेखकों और कलाकारों को पद्म पुरस्कार मिले वो सभी लाडली बहनों की तरह लाडले लेखक और कलाकार बनकर रह गए. आगे लिखा, 'ये सभी लोग इस विषय पर चुप हैं, नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे ख्याति प्राप्त लोगों को मराठी की ज़रूरत की तरफ देखना चाहिए. केंद्र द्वारा लाए गए त्रिभाषा फॉर्मूले को 'सामना' में राज्यों के गले का बोझ बताया गया है. सामना में अन्य राज्यों के अंदर हिंदी भाषा की ज़रूरत पर सवाल खड़े किए हैं, इसमें गुजरात के स्कूलों से हिंदी को हटाए जाने की बात कही गई है. 'सामना' में बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'पीएम मोदी और अमित शाह ने गुजरात की स्कूली शिक्षा से हिंदी को तो हटा दिया लेकिन महाराष्ट्र में मराठी भाषा को मिटाने के लिए स्कूली शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य कर दिया.

ड्रग्स तस्करों का भंडाफोड़

मुंबई. एनडीपीएस टीम ने राज्य के शाजापुर गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए टैबलेट बनाने में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध रासायनिक पाउडर को जब्त किया है. इस कार्रवाई में दो गोदामों को सील किया गया है और पुलिस रसायनों के सही इस्तेमाल की जांच कर रही है. पुलिस को सूचना मिली थी कि छत्रपति संभाजीनगर सीमा के साजापुर गांव और साजापुर चौफुली के बीच 2 आयशर वाहन स्क्रैप बैरल ले जा रहे हैं और बैरल के अंदर रासायनिक पाउडर को ड्रग्स बनाने के लिए तस्करी किया जा रहा है. जब पुलिस टीम ने जाल बिछाया और साजापुर चौफुली में छापा मारा, तो पता चला कि 2 आयशर वाहनों से स्क्रैप मटेरियल के जरिए स्क्रैप बैग में ड्रग्स की तस्करी की जा रही थी. उक्त स्थान पर पुलिस ने पंचनामा बनाकर 2 आयशर से क्रमशः 1 किलो 111 ग्राम और 401 ग्राम पाउडर जैसा सफेद रसायन जब्त किया. उक्त माल बबन खान नाम के व्यक्ति का बताया गया है.

मेट्रो विस्तार के लिए 162 पेड़ काटने का प्रस्ताव

पिंपरी. पिंपरी से निगड़ी मेट्रो मार्ग के विस्तार के लिए 162 पेड़ काटने की अनुमति मांगने वाला प्रस्ताव महा-मेट्रो ने पुणे महानगरपालिका के उद्यान विभाग को सौंपा है। पहले इस मेट्रो मार्ग पर पिंपरी से दापोडी तक 17 पेड़ काटे गए थे। अब दूसरी चरण में पिंपरी से निगड़ी के भक्ती-शक्ति समूह शिल्प चौक तक 4.5 किलोमीटर की दूरी पर मेट्रो लाइन का विस्तार किया जा रहा है, जिसकी लागत लगभग 910 करोड़ 18 लाख रुपये है। इस मार्ग पर चिंचवड़ स्टेशन, आकुर्डी के खंडोबा माळ चौक, निगड़ी के टिळक चौक और भक्ती-शक्ति समूह शिल्प समेत चार मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। मेट्रो प्रशासन ने इन स्थानों के निर्माण में बाधक 162 पेड़ काटने के लिए अनुमति मांगी है।

गर्भवती को डोली में ले जाना पड़ा, रास्ते में पड़ा दौरा

गांव तक सड़क नहीं

ठाणे. ठाणे जिले के शाहपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक गांव में सड़क न होने के कारण एक गर्भवती महिला को 'डोली' (पालकी) में ले जाकर एम्बुलेंस तक पहुंचाना पड़ा. यह मामला देश की वित्तीय राजधानी मुंबई से महज 100 किलोमीटर दूर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की गंभीर खामियों को उजागर करता है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिसमें 21 साल की संगीता रविन्द्र मुकणे को उसके पैतृक गांव चाफेवाड़ी से सोमवार अपराह्न डेढ़ बजे 'डोली' में बैठाकर एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर स्थित मुख्य सड़क गैडांड रोड पर खड़ी एम्बुलेंस तक ले जाया जा रहा था.स्थानीय कार्यकर्ता प्रकाश खोडका ने यह कहा, "उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, इसलिए उसे तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता थी. उसे डोली में ले जाना पड़ा क्योंकि चाफेवाड़ी तक कोई सड़क नहीं है, इसलिए एम्बुलेंस को गैडांड रोड पर इंतजार करना पड़ता है. हम 2025 में हैं लेकिन बड़े शहरी केंद्रों के इतने करीब के इलाकों की स्थिति तब भी यही है." प्रकाश खोडका ने यह कहा, "बार-बार अपील के बावजूद नादगांव ग्राम पंचायत ने सड़क निर्माण के लिए कुछ नहीं किया है. चाफेवाड़ी भी नादगांव ग्राम पंचायत का हिस्सा है. देरी के कारण एम्बुलेंस पहुंचने से पहले ही उसे दौरा पड़ गया, जिसके बाद उसे ठाणे सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत स्थिर बताई है. उन्होंने यह बताया कि सड़क न होने के कारण उसकी जान को खतरा हो सकता था.

जाहिर सुचना

आम जनते सुचित करण्यात येते की मी श्रीमती कुंजलता अशोक सोनी खालील वर्णनित मालमत्ता विकत घेण्यास इच्छुक आहे. मालमत्तेचे वर्णन प्लॉट नंबर ०४ मौजा नरसाळा पटवारी हलका नंबर 37 ग्रामीण जिल्हा नागपूर आदिवासी समाज उन्नती गृहनिर्माण संस्था मर्यादित नागपूर रजिस्ट्रेशन नंबर एनजीपी/एच एस जी ८९९/इ. सन १९८० टाकलेले लेआउट मधील प्लॉट नंबर ०४ संस्थेतील उपाध्यक्ष श्री गोविंदराव उमाटे व्यवसाय शेती राहणार शांतीनगर नागपूर यांनी दिनांक 15 /11/1983 रोजी श्री सारंग मनोहर सातपुते यांना प्लॉट नंबर ४ याचे विक्रीपत्र करून दिले त्यानंतर ही मालमत्ता इसवी सन 1983 पासून श्री सारंग मनोहर सातपुते यांच्या ताब्यात असून ही मालमत्ता क्लियर मार्केटेबल असून यावर त्यांच्या व्यतिरिक्त कोणीही व्यक्ती बँक किंवा वित्तीय संस्थेने वरील मालमत्तेवर कुठलेही प्रकारचे कोणाचेही हक्क अधिकार नाही असे सांगितले असून दान बक्षीस गहाण करार वगैरे असेही कुठल्याही प्रकारचे व्यवहार झालेले नसून अशी माहिती श्री सारंग मनोहर सातपुते यांनी दिलेली आहे या व्यवहारावर कुठलेही आक्षेप असल्यास त्यांनी आपले उजर हक्क अधिकार वगैरे संबंधित कागदपत्रे पुराव्यासह ही सूचना प्रकाशनाचे ०७ दिवस आत लेखी स्वरूपात दाखल करावे अन्यथा त्यांनी आपले हक्क अधिकार आक्षेप वगैरे सोडून दिलेले आहे असे गृहीत धरून आम्ही वरील मालमत्तेचे विक्रीपत्र नोंदणी करून घेईल व त्यानंतर कोणाचेही आक्षेप ऐकून घेतले जाणार नाही याची नोंद घ्यावी.

हर्षल हिरुडकर. दि.२४/०६/२०२५.
मो. ९९७०५०३१३१

राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच विवाद जारी

फडणवीस ने भी किया हमला

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में धांधली के आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग ने ईमेल भेजकर जवाब दिया है. आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव पूरी तरह संसद द्वारा पारित कानूनों और निर्धारित नियमों के अनुसार कराए जाते हैं. चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस या उसके उम्मीदवारों को किसी प्रकार की आपत्ति थी, तो उसे चुनाव याचिका के माध्यम से हाई कोर्ट में चुनौती दी जानी चाहिए थी. आयोग ने राहुल गांधी को आश्वासन दिया कि यदि उनके पास अभी भी कोई मुद्दा है तो वे लिखित में भेज सकते हैं. आयोग ने व्यक्तिगत बैठक के लिए भी समय निर्धारित करने की पेशकश की है. आयोग ने 12 जून को ईमेल के माध्यम से भेजे गए पत्र में कहा कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव विकेंद्रीकृत प्रणाली के तहत कराए जाते हैं. इसमें 1 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), 288 चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 निर्वाचन अधिकारी (आरओ) शामिल होते हैं. दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर मंगलवार को विधानसभा चुनाव में वोटर टर्नआउट में बढ़ोतरी को लेकर चुनाव आयोग और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर सवाल उठाए हैं. राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच महज पांच महीने में मतदाताओं की संख्या में 8 फीसदी का इजाफा हुआ है. मीडिया को हजारों ऐसे मतदाता मिले, जिनके पास आधिकारिक आवासीय पता भी नहीं था. राहुल गांधी ने सनसनीखेज आरोप लगाया था कि यह एक तरह की वोट चोरी है. अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर इसका कड़ा जवाब दिया है.

आज का राशिफल

मेष. मेष राशि के जातकों आज के दिन धन का आगमन होगा लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। दिन रोमांटिक रहने वाला है। आज किसी भी तरह का लेन-देन करते समय सतर्क रहें।

वृषभ. वृषभ राशि जातक आज के दिन पॉजिटिव रहने की सलाह दी जाती है। सिंगल लोगों की मुलाकात किसी स्पेशल से हो सकती है।

मिथुन. आज मिथुन राशि वाले जातक ईमानदारी बनाएं रखें, जिससे गलतफहमी पैदा नहीं होती। तनाव दूर करने के लिए पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कर्क. आज काम पर फोकस करने की सलाह दी जाती है। आज की एनर्जी को महसूस करें। अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएं।

सिंह. सिंह राशि वालों आज के दिन फाइनेंशियली आपको कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है।

कन्या. कन्या राशि वालों आज काफी मोटिवेटेड फील करेंगे। लव लाइफ में नोक-झोक से बचना बेहतर रहेगा। हेल्दी महसूस करेंगे।

तुला. आज के दिन लव के मामले में दिन अच्छा माना जा रहा है। वहीं, हेल्थ पर भी फोकस करने की जरूरत है। आज आप प्रोडक्टिव महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक. आज के दिन वृश्चिक राशि वाले करियर में स्ट्रैटिजी के साथ आगे बढ़ें। अर्थीक स्थिति मजबूत रहने वाली है। आज का दिन काफी लकी रहने वाला है।

धनु. धनु राशि वालों आज के दिन खर्च करते वक्त आपको सावधानी बरतनी जरूरी है। तनाव ज्यादा लेने से बचें। थोड़ा इमोशनल फील कर सकते हैं।

मकर. आज मकर राशि वाले करियर तौर पर मोटिवेटेड और प्रोडक्टिव फील करेंगे। माता पिता के साथ समय बिताना अच्छा रहेगा।

कुंभ. आज कुंभ राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। तनाव से बचने के लिए स्किन केयर करें। अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान दें।

मीन. मीन राशि के जातकों आज के दिन अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक डिनर पर जाने का प्लान करें। आज आपको जंक फूड्स से दूरी बनानी चाहिए।

NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION
Tender Notice

Commissioner, Nagpur Municipal Corporation, Nagpur, invites e – tenders in B – 1 form / appropriate form for the following works. These e – tenders can be purchased from Website (https://Mahatenders.gov.in). The terms and conditions of e – tenders are available on above website. Purchase and submission of e – tenders can be done through internet.

Name of the Work	Project Cost(in Rs.)
Street lighting at bank colony and Nalanda nagar in prabhag no. 02, under zone no. 09	6,18,384/-

Note - 1)Tender Submission end date : 30-06-2025 (up to 3:00 PM)
2) Date of Opening of Tender (If Possible) : 01-07-2025 (at 04:00 PM)
3) Rates are exclusive of G.S.T.

Advt No. 208 PR Date 24.06.2025
Executive Engineer (Electrical)
N.M.C. Nagpur
P/N/25/208

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर
अलग-अलग प्रकार के फेशियल थ्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर मॅनीक्यूर-पेडिक्यूअर • स्कीन ट्रिटमेंट हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग पीपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स यहाँ ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं।
अल्का वि. लाडे
9373108897 / 9373531205
प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
• Vocal Classical Singing
• Light Music (with Karaoke)
• Zumba
• Yoga
• Crochet
• Macrame
• Drawing
• Paper Crafts
<: Contact :>
Mob – 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 19 मे शिमला मनाली
• 2 जून केरल कन्याकुमारी रामेश्वरम
• 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन
• 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान
संपर्क
आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor
AU Avani Udyog
(MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY
Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
» STUDENTS » TEACHERS » HOUSEWIVES » JOB SEEKERS
NEW BATCHES I 5:00 PM TO 6:00 PM I 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतु संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

सबसे खतरनाक गुस्सा, उस व्यक्ति में पैदा होता है, जिसका दिल अच्छा होता है.

संपादकीय

पाक फिर बेनकाब

एनआएए की जांच ने पाकिस्तान के इस झूठ की पोल खोल दी है कि पहलगाम आतंकी हमले में उसका हाथ नहीं था। अब तो इस बात के सबूत हैं कि सीमा पार इस हमले की साजिश ही नहीं रची गई, आतंकवादी भी वहां से आए थे और उन्हें पाकिस्तानी इस्टैब्लिशमेंट का पूरा सपोर्ट था। इस खुलासे से पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का पक्ष मजबूत हुआ है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उन दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को पनाह दी थी। इनमें से एक आतंकी की पहचान हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान के रूप में हुई है, जो पाकिस्तानी सेना में पैरा कमांडो रह चुका है। माना जा रहा है कि सेना ने मूसा को इस आतंकी मिशन के लिए ही लश्कर को दिया था। इससे एक बार फिर यह साबित होता है कि आतंकवाद पाकिस्तानी सेना की रणनीति का एक हिस्सा है और वह आतंकियों के साथ मिलकर काम करती है। भारत का शुरू से कहना रहा है कि पहलगाम में पाकिस्तान शामिल है। उसके सेना प्रमुख असीम मुनीर के इशारे पर यह घिनौनी वारदात हुई। यह खुलासा भारत के उन कदमों को सही ठहराता है, जो उसने पहलगाम के बाद उठाए थे - सीमा पार मौजूद आतंकी ढांचों को ध्वस्त करना और सिंधु जल समझौते का निलंबन टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली एजेंसी एफएटीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं है।

ऐसे में पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने के लिए भारत अपनी बात मजबूती से रख सकता है। साथ ही, इससे पाकिस्तान पर लश्कर प्रमुख हाफिज सईद समेत उन आतंकियों पर कार्रवाई करने का भी दबाव बनाया जा सकता है, जिसे उसने अपने यहां छिपा रखा है।संसद पर हमला हो, मुंबई अटैक या फिर पठानकोट हर बार पाकिस्तान की संलिप्तता सामने आई और इसके बावजूद उसने अपना टेरर अजेंडा नहीं छोड़ा। ऐसे में यह उम्मीद नहीं कर सकते कि पहलगाम मामले में वह सच को सहजता से स्वीकार कर लेगा या अपनी आदत बदल देगा। हां, इस मौके का इस्तेमाल उसे घेरने और अमेरिका जैसे देशों की आंखें खोलने के लिए कर सकते हैं, जिन्हें अब भी पाकिस्तान पर भरोसा है।

नेहरू के पत्र म्यूजियम को देने में सोनिया को दिक्कत क्यों है?, जब इंदिरा को नहीं हुई

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी चाहती है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी नेहरू के लिखे पत्रों को लौटा दें. पीएमएमएल की तरफ से इस सिलसिले में सोनिया गांधी को पत्र भी लिखा जा चुका है. सोनिया गांधी की तरफ से रिस्पांस न मिलने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी पत्र के जरिये गुजारिश की गई है, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आम सभा की बैठक में सोसाइटी के उपाध्यक्ष राजनाथ सिंह के और कई सदस्य भी शामिल हुए.

दिल्ली के तीन मूर्ति मार्ग पर 15,600 स्क्वायर मीटर में प्रधानमंत्री संग्रहालय देश के प्रधानमंत्रियों के नाम है. पीएमएमएल की बैठक को लेकर सूत्रों के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस ने एक रिपोर्ट दी है. सूत्रों के अनुसार, बैठक में आम सहमति बनी है कि देश के पहले प्रधानमंत्री से संबंधित दस्तावेज राष्ट्रीय धरोहर हैं, और वे संग्रहालय को वापस सौंपे जाने चाहिए, ताकि उनकी विरासत को सही तरीके से संरक्षित किया जा सके.

दलील ये होगी कि एक बार जो दस्तावेज दान या भेंट स्वरूप दे दिये जाते हैं, उनको वापस नहीं लिया जा सकता, क्योंकि वे संगठन की संपत्ति माने जाते हैं, जिसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी संगठन की ही होनी चाहिए. रिपोर्ट बताती है कि फरवरी, 2024 में भी आम सभा की बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की थी, और उसमें केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और धर्मेंद्र प्रधान सहित कई सदस्य शामिल हुए थे. ये दस्तावेज नेहरू की विरासत की उत्तराधिकारी इंदिरा गांधी की तरफ से म्यूजियम को दिये गये थे.

दिसंबर, 2024 में पीएमएमएल सोसाइटी के सदस्य रिजवान कादरी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा कि वो अपनी मां से बात करें, और नेहरू से जुड़े दस्तावेज म्यूजियम को लौटा दिये जायें. राहुल गांधी को लिखे पत्र में रिजवान कादरी ने कहा, सितंबर, 2024 में मैंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि 2008 में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय से वापस लिए गए 51 डिब्बे संस्था को लौटा दिए जाएं. हमें उन्हें देखने और स्कैन करने की अनुमति दी जाए या उनकी एक कॉपी हमें दी जाए ताकि हम उनका अध्ययन कर सकें पत्र में रिजवान कादरी ने ऐसा करने की वजह भी समझाई थी.

हम समझते हैं कि ये दस्तावेज नेहरू परिवार के लिए निजी अहमियत रखते होंगे.

लेकिन, पीएमएमएल का मानना है कि ऐतिहासिक चीजों को व्यापक रूप से सुलभ बनाये जाने पर स्कॉलर्स और शोधकर्ताओं को काफी फायदा होगा. सोनिया गांधी से जो दस्तावेज पीएमएमएल वापस चाहता है, उनमें नेहरू के वे पत्र शामिल हैं जो उन्होंने एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत जैसी हस्तियों को लिखे थे.

निश्चित तौर पर नेहरू की विरासत पर गांधी परिवार का पहला हक है, लेकिन निजी संपत्ति पर. जो चीजें सार्वजनिक महत्व की हैं, उन पर किसका हक होना चाहिये, ये बहस का विषय हो सकता है, और आपसी बातचीत से मामला नहीं सुलझता तो फैसला तो अदालत ही करेगी. यहां सवाल ये है कि जब इंदिरा गांधी ने नेहरू के पत्र म्यूजियम को दे दिये थे, तो सोनिया गांधी को क्या दिक्कत हो सकती है? क्या सोनिया गांधी को नेहरू के पत्रों के किसी तरह लीक होने जाने की आशंका है?

क्या सोनिया गांधी को नेहरू के पत्रों के सामने आ जाने से उनके राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका लग रही है? क्या सोनिया गांधी को नेहरू के पत्रों के सार्वजनिक कर दिये जाने पर नेहरू के नाम पर पहले से जारी विवाद के नये सिरे से बढ़ जाने का खतरा महसूस हो रहा है? ये जरूर है कि जब इंदिरा गांधी ने नेहरू के ये पत्र म्युजियम को दिये थे, तब सोशल मीडिया नहीं था. आज की तारीख में कुछ भी सोशल मीडिया पर आ जाने पर वायरल होने का खतरा पैदा हो जाता है - तो क्या सोनिया गांधी ऐसे ही किसी कारण से नेहरू के पत्र म्यूजियम को नहीं लौटाना चाह रही हैं?

आस्था

जुलाई में पड़ने वाले व्रत और त्यौहार

जुलाई का महीना कुछ ही समय में शुरू होने वाला है. जुलाई के महीने में पड़ने वाले व्रत और त्यौहार का बहुत धार्मिक महत्व होता है. जानते हैं जुलाई के महीने में पड़ने वाले पर्व कौन से हैं और क्या हैं उनका धार्मिक महत्व. हिन्दू पंचांग के अनुसार आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा तिथि यानी सोमवार से जुलाई का महीना शुरू हो रहा है. इस साल जुलाई महीने में कई अहम पर्व और त्यौहार पड़ रहे हैं. सावन का महीना भीलेनाथ का प्रिय महीना है. सावन माह की शुरुआत भी जुलाई के महीने में हो रही है. इस माह में भोलेनाथ की आराधना करने से हर मनोकामनाएं पूर्ण होती है. जुलाई में देवशयनी एकादशी के साथ भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा में चले जाते हैं उसके बाद धरती का कार्यभार भोलेनाथ संभालते हैं. देवशयनी एकादशी के बाद भोलेनाथ के प्रिय माह सावन की शुरुआत होती हैं, जिसमें सावन के सोमवार, मंगला गौरी व्रत, सावन शिवरात्रि, सावन अमावस्या, हरियाली तीज, नाग पंचमी जैसे पर्व पड़ते हैं.

संस्मरण — रमेश लांजेवार

ईरान-इजराइल युद्ध में अमेरिका के प्रवेश से विश्व में अनेक संकट उत्पन्न होंगे

अब यह साबित हो चुका है कि अमेरिका दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा रहा है। क्योंकि अमेरिका-इजराइल-ईरान के बीच सिर्फ वर्चस्व की लड़ाई है। लेकिन बीच की सूची में शामिल कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं। यूक्रेन-रूस, इजराइल और हमास-हिजबुल्लाह-हौथी विद्रोही-ईरान के बीच संघर्ष और युद्ध हम देख चुके हैं। लेकिन जिसे हम महाशक्ति कहते हैं, अमेरिका बिना किसी समझौते के अचानक "ऑपरेशन मिडनाइट हैमर" के जरिए ईरान पर बंकर बस्टर बम गिरा देता है। अमेरिका के बी-2 बमवर्षक विमान ईरान के फोर्डो को नष्ट करने के लिए अचानक ईरान पर बंकर बस्टर बम गिराते हैं और वह भी 13600 किलोग्राम वजन वाले 14 बम गिरा कर ईरान के 3 परमाणु केंद्रों फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देते हैं।

इसका मतलब यह है कि दुनिया विनाश की ओर बढ़ रही है। इसके कारण इस बात की प्रबल संभावना है कि दुनिया के कई देश दो गुटों में बंट जाएंगे और इसकी शुरुआत हो चुकी है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिका की हरकतों के कारण रूस-चीन खुलकर ईरान से पीछे हट सकते हैं। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इजरायल पर बड़ी संख्या में मिसाइलें दागनी शुरू कर दी हैं।

ईरान के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर अमेरिकी हमले ने दुनिया में डर का माहौल पैदा कर दिया है। अमेरिकी बी-2 बमवर्षक हमले के बाद इस बात की प्रबल संभावना है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर देगा और इसकी नाकेबंदी कर देगा। दुनिया का 20 फीसदी कच्चे तेल का व्यापार होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होता है और अगर ईरान इस रास्ते को बंद करता है तो भारत समेत दुनिया के कई देशों के लिए इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। क्योंकि अमेरिका के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर सीधे हमले ने ईरान के पैर में आग लगा दी है, इसलिए ईरान ने अपना आखिरी हथियार इस्तेमाल कर दिया है। अगर होर्मुज बंद हुआ तो तेल आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो जाएगी और वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई और विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने अमेरिका को हमले के परिणामों का सामना करने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी। उन्होंने चेतावनी दी कि चूंकि अमेरिका ने हमारे परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला करके पूरी सीमा पार कर ली है, इसलिए हमें भी अपनी सुरक्षा करने का अधिकार है। इसलिए यदि इस युद्ध का उचित समाधान नहीं निकाला गया तो इसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं। क्योंकि इस युद्ध से अभी तक किसी को कोई फायदा नहीं हुआ है, उल्टा इससे नुकसान ही हुआ है और अब ईरान पर अमेरिका के हमले से दुनिया में युद्ध जैसे हालात बन गए हैं और दुनिया के सभी देशों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

इसलिए संयुक्त राष्ट्र को तुरंत इस युद्ध को रोकने की पहल करनी चाहिए, अन्यथा विनाश अवश्यंभावी है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका एक स्वार्थी और व्यापारिक देश बन गया है। अमेरिका ने अपने हितों के लिए 14 जून 2025 को अमेरिकी सशस्त्र बलों की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आसिम मुनीर को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था और यह डोनाल्ड ट्रंप का 79वां जन्मदिन भी था। इस अवसर पर आसिम मुनीर को ईरान के कई महत्वपूर्ण स्थानों और गुप्त सूचनाओं की जानकारी दी गई थी। अमेरिका ने इसका भी फायदा उठाया होगा और आसिम मुनीर के पाकिस्तान लौटने के बाद उसने मीडिया के जरिए डोनाल्ड ट्रंप को 2026 का नोबेल पुरस्कार देने की मांग कर दी और इसके अगले ही दिन 22 जून 2025 को अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बी-2 बमवर्षकों से हमला कर दिया। इसके कारण मौजूदा हालात में पाकिस्तान काफी मुश्किल में है।

आलेख — मनोज सिंह

हमें किस बात का घमंड है

मनुष्य को अपने परिवार, समाज, संस्कृति और देश पर नाज होता है। अमूमन स्वयं पर गर्व होता है, होना चाहिए। इससे हमारे अंदर स्वाभिमान पैदा होता है। यह आत्मविश्वास जगाता है और आत्मसम्मान दिलाता है। ठीक है, मगर न तो इसमें किसी तरह का खोखलापन होना चाहिए न ही कोई अतिशयोक्ति और न ही यह जबरदस्ती थोपा हुआ प्रतीत होना चाहिए। अन्यथा स्वयं की झूठी प्रशंसा के परिणाम सकारात्मक नहीं होते। किसी भी तरह के सुधार की गुंजाइश तो खत्म हो ही जाती है उल्टे नुकसान होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे दिवास्वप्न में जीने वाले आदमी का, उसके समाज, परिवार, भाषा व सभ्यता का विकास रुक जाता है।

अहम् पतन का कारण बनता है और झूठा अहं तो सर्वनाश कर देता है। मगर यह भी सत्य है कि स्वयं को सदा कमजोर व कमतर आंकना भी गलत होता है। अपने बारे में हीन भावना रखना व्यक्तित्व में खोट पैदा करता है जो फिर हर क्षेत्र में इंसान को असफल बनाता है। इसी संदर्भ में हम जरा सोचें, या हमें अपने देश पर नाज है? या हमें भारतीय होने का अभिमान है? महज भावनाओं में बहकर कुछ कहने मात्र के लिए कहने की आवश्यकता नहीं, कुछ भी उत्तर देने के पूर्व इन बातों पर गौर करें, या हम समाज की वास्तव में चिंता करते हैं? ध्यानपूर्वक चिंतन करें, या हम राष्ट्र के बारे में कभी भी सोचते हैं? या हमें अपनी भाषा से प्यार है? अपने दिल पर हाथ रखकर स्वयं से जवाब माँगें तो मिलेगा, नहीं। कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दें, जब हमारी भावनाएं आहत होकर अचानक जागृत हो उठती हैं तो कुछ समय के लिए ऐसा हो सकता है कि हम देश के लिए मरने-मारने को तैयार हो जायें। अन्यथा हम आमतौर पर 'मैं' और 'मेरे' में जीते हैं। बड़ी-बड़ी बातें छोड़िए और इन छोटी-छोटी बातों को देखें।

हम किसी भी नये व्यक्ति के सामने, अचानक, बेवजह अंग्रेजी बोलना शुरू कर देते हैं और स्वदेशी भाषा को अकसर हेय दृष्टि से देखते हैं। विदेशी सामान को देख आज भी हमारी आंखों में चमक और मुंह में पानी आने लगता है और हम ठंडी आहें भरकर उसे पाने के लिए लालायित होने लगते हैं। वहीं स्वदेशी को हल्का व कचरा समझा जाता है। इतना ही नहीं अब इस आदत को ही देख लें, हम अपने घर का कूड़ा-कर्कट अकसर अपनी चारदीवारी के बाहर फेंक कर बड़े खुश होते हैं।

लघुकथा — एस. के. पाण्डेय

तमन्ना

एक शहर में एक टीवी चैनल के कुछ लोग आने वाले थे। लोगों में काफी उत्साह था। सोहनी सुबह से ही सज-धज रही थी। उसकी मम्मी ने कहा कि तुम्हें वहाँ नहीं जाना है। वह बोली कि मम्मी मैं जरूर जाऊँगी। हमारी कई सहेलियाँ भी तो जा रही हैं। सोमी, सोनी आदि कई बार फोन भी कर चुकी हैं। उसकी मम्मी ने कहा ठीक है। चली जाना। लेकिन बाबू जी के घर लौटने के पहले वापस आ जाना। चैनल वाले आ गए। लोगों से उनकी समस्याएं पूछ कर रिकार्ड करने लगे। वह सोच रही थी कि कैमरा मैन मेरे पास कब आएगा। कहीं ऐसा न हो कि वह यहाँ आये ही न। और हमें मौका ही न मिले। यह सोचते ही वह भीड़ की ओर बढ़ने लगी। किसी की एक न सुनी। और भीड़ में कैमरा मैन के पास पहुँचकर उसने अपना घाघरा ऊपर उठा दिया। कुछ लोग तो भौचक रह गए। महिलाएँ कहने लगीं कि यह पागल हो गई है। इसने अपने घर-खानदान की नाक कटा दी। इज्जत गवां दी।

कविता — डॉ. मृदुला शुक्ला

ममता की खान है मां, गीत, सुर, तान है मां,
असंख्य दुआओं वाली, आन, बान, शान है ।
मां का शुभ आँचल तो, शीश पे आशीष सम,
संकटों से है बचाती, सुदृढ़ वितान है ।।
जन्म देने वाली माता, सर्व प्रथम है गुरु ,
पाठशाला भी प्रथम, भरती मां ज्ञान है ।
रामायण, भागवत, गीता औ कुरान है मां,
धर्म, कर्म सिखलाती, मांगलिक गान है।।
सुपथ पर चलना, सिखलाती पल-पल,
बुरे कर्म करने से, करे सावधान है ।
स्नेह, दया, करुणा की, प्रतिमूर्ति देवी है मां,
धरती पे ईश्वर की, मां ही पहचान है ।
एक किलकारी पर, बिसराती सारे कष्ट,
ममता की गोद "मृदु", छोटा आसमान है ।
करती दुआएं सदा, खुशियाँ असीम मिलें,
मां के बिना घर नहीं, लगता श्मशान है ।।

'मृदु'

व्यंग्य — सुंदर व्यास

उधारी का दर्शन

उधारी, मध्यमवर्गीय महंगाई के मारों के लिए सदैव से संकट-मोचक रही है. वेतनभोगियों की जेब एक तरफ से चील का घोंसला है. अगर हाथ खुला हो तो हमेशा तंग रहता है. चादर के अनुसार पाँव पसारने की आदत हो तो बात दूसरी है वरना उधारी वह 'इलास्टिक' है जिसे खींच-खींचकर कभी अपना सिर ढका जा सकता है, कभी पाँव. साख बचाने का यही सहज मार्ग है. उधारी को कभी मुहब्बत की कैंची कहा जाता था. आजकल इसे संबंध जोड़ने वाला 'फ़ेवीकोल' समझा जाता है. 'आज नगद, कल उधार' - वाला कथन घिस-पिट गया है. बाजार में उधारी का बोलबाला है. लुभावने विज्ञापन सामने आ रहे है. मकान खरीदना हो तो अर्थ की व्यवस्था है, गाड़ी या स्कूटर लेना हो तो आसान किस्तों पर सुलभ है. यह एक प्रकार की उधारी व्यवस्था है. व्यवसाय के पंगु -पाँव उधारी से थिरकने लगे हैं. विकास का दरवाजा उधारी की चाबी से खुलता है और अगर आपकी कुछ 'साख' है तो उधारी के अनेक दरवाजे आपके लिए खुले पड़े हैं.

पान-बीड़ी और परचूनी की दुकाने से लगाकर वित्त निगमों तक आप अपनी 'साख' को भुना सकते हैं. एक बार साख जमी कि आपकी पौ बारह. साख जमाने का सरल गणित है समय पर भुगतान. सामने वाला आपको परखता है और जब उसे विश्वास हो जाता है कि 'आसामी' डूबत खाते वाला नहीं है, न रास्ता बदलने या नज़रें चुराने वाला तो आपकी सीमित चादर, उधारी के पैबन्द से लम्बी चौड़ी हो जाती है. उधारी आदमी को अपनी आय से कुछ ज्यादा ही छलांग लगाना सिखा देती है. जेब को देखकर मन मारना नहीं पड़ता. मुँह खुला की माल हाजिर. उधार लेने वाला महंगा सस्ता नहीं देखता और मोल भाव नहीं करता. उधार देने वाला एक का सवाया-डेढ़ा कर इसलिए दे देता है कि बकरी कसाई की बोटी हज़म नहीं कर सकती.पैसा एकदम नहीं तो धीरे-धीरे वसूला जा सकता है. उधारी का धंधा सहनशीलता पर चलता है.

लेने वाला भी सहनशील, देने वाला भी सहनशील. न यह ताव खाकर उधार मांगता है और न वही देर-सबेर होने पर आंखें दिखाता है. महीन चुटकी, उधार लेने वाले को तिलमिलाती नहीं, गुदगुदाती है क्योंकि उधारी चमड़े को अकसर मोटा कर देती है. टोका-टोकी उधारी का प्रेमालाप है और झक्कूबाजी वह महीन डोर, जो दोनों पक्षों को जोड़े रखती है.

कहानी — सी.आर. राजश्री

एक नास्तिक की भक्ति

हरिराम नामक आदमी शहर के एक छोटी सी गली में रहता था। वह एक दवाखाने का मालिक था। सारी दवाइयों की उसे अच्छी जानकारी थी। दस साल का अनुभव होने के कारण उसे अच्छी तरह पता था कि कौन सी दवाई कहाँ रखी है। वह इस पेशे को बड़े ही शौक से बहुत ही निष्ठा से करता था। दिन-ब-दिन उसके दुकान में सदैव भीड़ लगी रहती थी। वह ग्राहकों को वांछित दवाइयों को सावधानी और इत्मीनान होकर देता था।पर उसे भगवान पर कोई भरोसा नहीं था वह एक नास्तिक था। भगवान के नाम से ही वह चिढ़ने लगता था। घरवालों उसे बहुत समझाते पर वह उनकी एक न सुनता था। खाली वक्त मिलने पर वह अपने दोस्तों के संग मिलकर, घर या दुकान में ताश खेलता था।एक दिन उसके दोस्त उसका हालचाल पूछने दुकान में आए अचानक बहुत जोर से बारिश होने लगी। बारिश की वजह से दुकान में भी कोई नहीं था। बस फिर क्या, सब दोस्त मिलकर ताश खेलने लगे। एक छोटा लड़का उसके दूकान में दवाई लेने पर्चा लेकर आया। उसका पूरा शरीर भीगा था। हरिराम ताश खेलने में इतना मशगूल था कि बारिश में आए हुए उस लड़के पर उसकी नजर नहीं पड़ी। ठंड से ठिठुरते हुए उस लड़के ने दवाई का पर्चा बढ़ाते हुए कहा- 'साहब जी मुझे ये दवाइयाँ चाहिए, मेरी माँ बहुत बीमार है, उनको बचा लीजिए. बाहर और सब दुकानें बारिश की वजह से बंद है। आपके दुकान को देखकर मुझे विश्वास हो गया कि मेरी माँ बच जाएगी। यह दवाई उनके लिए बहुत जरूरी है'।

मां से मिली एक नई सहेली

मां से मिली एक नई सहेली तू कितनी अच्छी है हूं। इस लॉकडाउन में घर रहते हुये मैंने जाना कि कितना कुछ रह गया था माँ के हृदय मुझे बताने के लिये हमारा रिश्ता जैसे भावनाओं का सैलाब, हमारे बीच इस समय एक अद्भुत रिश्ते ने जन्म ले लिया वह रिश्ता था सहेली का ।इस दौरान मैंने जाना कि माँ कितना कुछ ऐसा था जिससे में अछूती थीं। अपनी व्यस्तताओं के रहते में माँ से कभी इस ठहराव से बात ही नहीं कर पायी थीं। जैसे अब करती हूं मैंने उनसे कितनी व्यंजनों को इस दौरान सीखा जो वो बेहतर बनाती थी। रोज वीडियो कॉल पर मुझे कितने वेद और पुराणों की रोचक कथाएँ मुझे सुनाती है। उनके बचपन वो किस्से जो शायद किसी को नहीं पता कि किस तरह वो नर्मदा में शिकारा चलाते हुये पकड़ी गयी और नाना जी पिटाई की थी घण्टों इस तरह अपने बचपन के किस्से सुनाकर बहुत खिलखिला कर हँसते हुये पहली बार देख रही हूँ 76 साल की इस उम्र में उन्हें आज भी नई चीजों को सीखने का कितना शौक था यह मैंने अब जाना ग्रामीण परिवेश और कम पढ़ी लिखी होने के बावजूद भी रिश्तों की कितनी मजबूत पकड़ थी उन्हें मैं हैरान हूं। मुझे इस अवकाश के दौरान माँ के रूप बहुत अच्छी दोस्त मिली जो मेरी कितनी समस्याओं को सुलझाने में मददगार साबित हुई। रोज सुबह मुझे जल्दी मॉर्निंग वॉक ओर योगा प्रणायाम के लिये उठाती है फिर मेरे साथ वो भी विडियो काल पर रोज आसन प्राणायाम करती हैं। क्योंकि अभी -अभी स्मार्टफ़ोन ओर व्हाट्सएप चलाना सीखा है। पिता के जाने बाद इतना खुश में अब उन्हें देख रही हूं इस दौरान मुझे अनुभव हुआ कि मैंने इतने सालों में कितना कुछ छोड़ दिया था जिसे माँ ने वापस मुझे लौटा दिया। अपनी व्यस्तताओं के चलते कितने रिश्ते बेजान हो गये थे माँ ने उन्हें इन दिनों वापस जीवंत कर दिया। मैंने जाना कि एक माँ की भूमिका में आप हमेशा सर्वश्रेष्ठ रही है पहले भी ओर आज भी। आपने मुझे सदैव भावनाओं से पोषित किया, जीवन में आने वाले सभी व्यक्तियों को सम्मान एवं उनके सुविचारों को ग्रहण करना कितना आवश्यक है-यह मैंने आप से ही इस दौरान बड़ी गहरायी से समझा। सही मायनों में नारी के विभिन्न स्वरूपों को आपको देख कर ही जाना और उसकी गूढ़ समझ वहीं से पैदा हुई.

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलामृत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

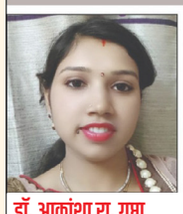
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 25 जून 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

वरिष्ठ लेखकों और कलाकारों को अब 5,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा

चंद्रपुर.

> राजर्षि शाहू महाराज मानधन योजना हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अपील

राज्य सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा कार्यान्वित 'राजर्षि शाहू महाराज वरिष्ठ साहित्यकार एवं कलाकार मानधन सम्मान योजना' में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। इस योजना के तहत वरिष्ठ साहित्यकारों एवं कलाकारों को दिए जाने वाले मानदेय को बढ़ाकर 5,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। जिला कलेक्टर विनय गौड़ा ने चंद्रपुर जिले के पात्र साहित्यकारों एवं कलाकारों से इस योजना का लाभ लेने के लिए 1 से 31 जुलाई 2025 के बीच अपने आवेदन ऑनलाइन जमा करने की अपील की है।

योजना का उद्देश्य: इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन वरिष्ठ लेखकों और कलाकारों की कला को सम्मानित करना है जिनकी आजीविका पूरी तरह से कला या साहित्य पर निर्भर करती है और जो अपने बुढ़ापे में वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, उन्हें इस योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करके सम्मानित करना है।

पात्रता मानदंड: आवेदक की आयु 50 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। (विधवा/परित्यक्ता/विकलांग आवेदकों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष है।) कला या साहित्य के क्षेत्र में न्यूनतम 15 वर्ष का योगदान आवश्यक है। आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय 60 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। आवेदक महाराष्ट्र का निवासी होना चाहिए। आवेदक केंद्र या राज्य सरकार की किसी भी पेंशन योजना का लाभार्थी नहीं होना चाहिए और उसकी आजीविका केवल कला/साहित्य पर निर्भर होनी चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया: आवेदन 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक वेबसाइट https://aaplesarkar.mahaonline.gov.in/en पर केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदक अपने आवेदन निकटतम सेतु केंद्र या अन्य उपलब्ध सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों के माध्यम से जमा कर सकते हैं।

आवश्यक दस्तावेज : आयु प्रमाण (स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र आदि), आधार कार्ड, तहसीलदार द्वारा जारी चालू वर्ष के लिए आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र (निवास प्रमाण पत्र), आवेदक और पति/पत्नी की तस्वीर यदि लागू हो, बैंक पासबुक के पहले पृष्ठ की प्रति (आईएफएससी कोड के साथ), कला/साहित्य के क्षेत्र में योगदान का प्रमाण (जैसे प्रमाण पत्र, पुरस्कार, समाचार पत्र की कतरनें आदि), नोटरीकृत प्रमाण पत्र कि आवेदक अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा रहा है, सांस्कृतिक संस्थाओं से अनुशंसा पत्र, केंद्र सरकार/राज्य सरकार/संस्कृति मंत्रालय से पुरस्कार का प्रमाण पत्र, साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी का प्रमाण, किसी प्रतिष्ठित संस्था/व्यक्ति से अनुशंसा पत्र, विकलांगता प्रमाण पत्र यदि आवेदक विकलांग है।

चंद्रपुर जिले के सभी पात्र वरिष्ठ साहित्यकार और कलाकार इस योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित समय में अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी के लिए उन्हें अपने तालुका की पंचायत समिति से संपर्क करना चाहिए, ऐसी जानकारी उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रापं) मीना सालुंके ने दी।

गडचिरोली के सह पालकमंत्री आशीष जैसवाल की उपस्थिति में स्कूली बच्चों का स्कूल में प्रथम दिवस मनाया गया उसके बाद उसके बाद सैकड़ों लोगों का शिवसेना शिंदे गुट में पक्ष प्रवेश करवाया गया।

ट्रैक्टर से कुचलकर मजदूर युवक की दर्दनाक मौत...

घोट.

चामोर्शी तालुका के घोट क्षेत्र में अवैध रेत तस्करी बढ़ गई है और रेगडी से घोट तक दिन-रात रेत की तस्करी की जाती है। इसी तरह आज 23 जून को शाम करीब 4 बजे दरपनगुड़ा से घोट आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने लापरवाही से ट्रैक्टर चलाने से अचानक ट्रैक्टर पर बैठे 6 मजदूरों में से 26 वर्षीय घोट निवासी स्वप्निल दीपक सुरजागड़े के सड़क पर गिरते ही उसका सिर पर ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आ गया और स्वप्निल की मौके पर ही मौत हो गई। स्वप्निल की मां द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, ट्रैक्टर क्रमांक एमएच 33 एफ 0331 दरपनगुड़ा में कृषि कार्य से आ रहा था। यह ट्रैक्टर 6 मजदूरों को लेकर माडेमुदोली दरपनगुड़ा फाटा से घोट आ रहा था। इसी तरह ट्रैक्टर का खलासी स्वप्निल सुरजागड़े ट्रैक्टर से गिर गया और ट्रैक्टर का पहिया उसके शरीर के ऊपर से गुजर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक घोट निवासी ऋतिक वैरागड़े है और ट्रैक्टर भी घोट के ही एक धनी व्यक्ति का है। बताया जाता है कि दो महीने पहले घोट पुलिस स्टेशन के थानेदार ने अवैध रेत परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पकड़ा था। घोट में कुछ ट्रैक्टर हमेशा अवैध रेत और बजरी की तस्करी के लिए उपयोग किए जाते हैं। लेकिन चामोर्शी तहसीलदार हमेशा इस बात को नजरअंदाज करते हैं।

इस दौरान लोगो में तरह तरह की बाते चल रही है। उक्त क्षेत्र जंगल से घिरा होने के कारण अब यह दिखावा किया जा रहा है कि उक्त ट्रैक्टर रेत के लिए नहीं ओर किसी काम से जा रहा था, और संदेह है कि इस मामले को दबाने की कोशिश भी हो सकती है। यदि उक्त मामले की सही तरीके से जांच की जाए तो सच्चाई सामने आ सकती है। घोट पुलिस थाने के थानेदार से जब फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि वे छुट्टी पर हैं। पता चला है कि घोट पुलिस थाने के पीएसआई गोंगले और शेडके मैडम ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामला दर्ज किया है। स्वप्निल के शव को पोस्टमार्टम के लिए चामोर्शी ग्रामीण अस्पताल में भेज दिया गया है। स्वप्निल सुरजागड़े अविवाहित था और उनकी आकस्मिक मौत से घोट गांव में हड़कंप मच गया है। पीएसआई गोंगले और शेडके मैडम आगे की जांच कर रहे हैं।

विसोरा स्कूल में पारंपरिक शाला प्रवेशोत्सव

विधायक रामदास मसराम की विशेष उपस्थिति

देसाईगंज.

जिला परिषद कन्या प्राथमिक शाला विसोरा में 23 जून को शाला प्रवेशोत्सव पारंपरिक एवं उत्साहपूर्ण तरीके से मनाया गया। नवप्रवेशी छात्राओं का स्वागत पुष्पगुच्छ, मुकुट, पदचिह्न एवं पाठ्य सामग्री देकर किया गया।इस कार्यक्रम में गांव की भजन मंडली, लेजिम टीम के साथ ही सुसज्जित बैलगाड़ी एवं ट्रैक्टर द्वारा छात्राओं की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की ध्वनि के साथ छात्राओं का स्वागत जुलूस गांव से निकला, जिससे पूरे विसोरा गांव में उत्सवी माहौल बन गया।

इस विशेष अवसर पर आरमोरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामदास मसराम सर उपस्थित थे। उन्होंने छात्राओं का हार्दिक अभिनंदन किया तथा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्राओं की शिक्षा से परिवार, गांव एवं समाज का विकास होता है, ऐसा कहते हुए उन्होंने शाला के विकास के लिए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।कार्यक्रम के अंत में शाला परिसर में वृक्षारोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली इस पहल में विधायक मसराम स्वयं शामिल हुए।

योग नृत्य परिवार ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

चंद्रपुर.

योग नृत्य परिवार ट्रस्ट मुख्यालय चंद्रपुर के जनक भाई गोपाल मुंदड़ा के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह संपन्न हुआ। योग दिवस कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। सुबह के सत्र में कार्यक्रम की शुरुआत रोशन चड्ढा जी एवं योग गुरु अनूप शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई। उन्होंने मंच से मार्गदर्शन देते हुए कहा कि योग दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है, विश्व भर के लगभग 54 देशों में योग नृत्य प्रारम्भ हो चुका है, योग नृत्य के माध्यम से हम अपने मन को शांत रख सकते हैं तथा तनाव एवं शारीरिक बीमारियों से दूर रह सकते हैं। उन्होंने योग आसन और योग नृत्य करके इसके महत्व को प्रदर्शित किया। शाम के सत्र में सुधीर मुनगंटीवार, बल्लारशा विधानसभा क्षेत्र एवं पूर्व सांस्कृतिक, वन, मत्स्य, वित्त एवं पालकमंत्री चंद्रपुर, महाराष्ट्र।

किशोर जोगेवार विधायक चंद्रपुर साथ ही देवराव भोंगले, राजुरा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम के दूसरे चरण का उद्घाटन कर कार्यक्रम की शुरुआत की. कार्यक्रम का शुभारंभ एवं उद्घाटन सुभाष कासनगोट्टूर, पुरूषोत्तम सहारे, बब्लू बुटले, डॉ. मंगेश गुलवाडे, जुगल सोमानी, दिनेश बजाज, तुषार सोहम आदि की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए गणमान्यों ने बहुमूल्य मार्गदर्शन देते हुए कहा कि, "योग नृत्य चंद्रपुर से निकलता है और दुनिया आगे कदम बढ़ाती है। योग नृत्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया गया है। शारीरिक व्यायाम की आवश्यकता सभी को होती है, इसलिए सभी को निशुल्क योग नृत्य का लाभ उठाना चाहिए।" शाम के कार्यक्रम में देश पर आधारित नृत्य, पहलगाम आतंकी हमले, नाटक और धार्मिक नाटक सहित विभिन्न मनोरंजक नाटक प्रस्तुत किये गए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में चंद्रपुर जिले के लगभग सभी केंद्रों से लगभग 900 लोगों ने भाग लिया। योग नृत्य परिवार के संगठन को बढ़ाने के लिए कई स्थानों पर केंद्र और शिविर शुरू करने वाले सदस्यों को चंद्रपुर भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विजय घोनमोडे, वैशालीताई बाविस्कर ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला प्रमुख सुरेश घोडके ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए केन्द्रीय टीम के सभी पदाधिकारियों एवं सभी केन्द्रों के पदाधिकारियों, योग साधकों एवं योग साधकों ने अथक परिश्रम किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। अंत में कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ। यह जानकारी जिला मीडिया प्रमुख अशोक पडगिलवार ने दी।

जी.एच. रायसोनी मेमोरियल जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 घोषित, 4 से 6 जुलाई तक

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिला बैडमिंटन डेवलपमेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में एवं महाराष्ट्र बैडमिंटन एसोसिएशन की मान्यता से आयोजित की जा रही जी. एच. रायसोनी मेमोरियल चंद्रपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 दिनांक 4 से 6 जुलाई के बीच बैडमिंटन हॉल, जिला क्रीड़ा संकुल, सिविल लाइंस, चंद्रपुर में संपन्न होगी। यह प्रतियोगिता जिला स्तर की प्रतिष्ठित स्पर्धा है, जिसमें नए और अनुभवी दोनों ही खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने व अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों के लिए मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

स्पर्धा वर्ग

सिंगल्स (एकल):

अंडर 9, अंडर 11, अंडर 13, अंडर 15, अंडर 17, अंडर 19, सीनियर्स, मास्टर्स 35+, 45+, 60+

डबल्स (युगल):

अंडर 13, अंडर 15, अंडर 17, अंडर 19, सीनियर्स, मिक्स डबल्स, मास्टर्स 35+, 45+, 60+

इस आयोजन के संदर्भ में संगठन के अध्यक्ष गिरीश चांडक ने कहा:

"जी. एच. रायसोनी मेमोरियल चंद्रपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि हमारे जिले की खेल उत्कृष्टता का उत्सव है। हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों को पेशेवर मंच पर अपनी प्रतिभा आजमाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।" यह प्रतियोगिता चंद्रपुर की वार्षिक क्रीड़ा गतिविधियों में एक प्रमुख आकर्षण होगी। सभी मुकाबले महाराष्ट्र बैडमिंटन एसोसिएशन के नियमों के अनुसार और पूर्ण पारदर्शिता के साथ आयोजित किए जाएंगे।

प्रतियोगिता विवरण:

नाम: जी. एच. रायसोनी मेमोरियल चंद्रपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025

तिथि: 4 से 6 जुलाई 2025

स्थान: बैडमिंटन हॉल, जिला क्रीड़ा संकुल, सिविल लाइंस, चंद्रपुर

आयोजक: चंद्रपुर जिला बैडमिंटन डेवलपमेंट एसोसिएशन

मान्यता: महाराष्ट्र बैडमिंटन एसोसिएशन

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 30 जून 2025

पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

जोवेल चांदेकर: +91 98222 01785

यथार्थ मेश्राम: +91 77098 54548

सौरभ बारापात्रे: +91 94031 93312

बैडमिंटन प्रेमियों, खिलाड़ियों और सभी नागरिकों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है।

शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

चंद्रपुर.

शांताराम पोटदुखे विधी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) विभाग और पतंजलि योग सेवा समिति, चंद्रपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एजाज शेख की अध्यक्षता में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पतंजलि योग सेवा समिति की ओर से देविदासजी ठावरी, श्रीकांतजी बावणे, सौ. मंजुषा तपासे और शामराव हरडे ने विभिन्न योग आसनों का सजीव प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किया।

ठावरी ने प्रत्येक योगासन की उपयोगिता, उसका अभ्यास करने का तरीका और समयावधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बावणे ने कहा कि योग साधना के माध्यम से हम न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ रह सकते हैं। इस अवसर पर एन.एस.एस. विभाग प्रमुख नंदकिशोर भंडारी और पूर्व एन.एस.एस. प्रमुख डॉ. सरोज कुमार दत्ता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विशेष योगदान दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. एजाज शेख ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीना लंगडे ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. सरोज कुमार दत्ता ने व्यक्त किया।

कटरीना से आलिया तक जासूस बनीं हसीनाएं

हमारी हीरोइनें हीरो से कम हैं क्या? इस सवाल का जवाब है बिल्कुल भी नहीं. अब फिल्मों में एक्ट्रेसेस सिर्फ रोमांस या इमोशनल सीन्स के लिए ही नहीं जानी जाती हैं, बल्कि अब हीरो की तरह वह विलेन से लड़ती भी हैं और जासूस बनकर दुश्मनों के मंसूबों पर पानी भी फेरती हैं. इतना ही नहीं अब एक्ट्रेसेस बतौर लीड के साथ-साथ ताबड़तोड़ एक्शन भी करती हुई नजर आ रही हैं. चलिए ऐसी ही 6 एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं, जो फिल्मों में जासूस बनकर दमदार एक्शन सीन्स देती हुई नजर आ चुकी हैं. कटरीना कैफ ने टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ ही जासूसी किरदार निभाना शुरू कर दिया था. उन्होंने फिल्मों में पाकिस्तानी की एक आएएसआए का किरदार निभाया है. वहीं कटरीना ने टाइगर फ्रेंचाइजी में दमदार एक्शन सीन्स भी दिए हैं. प्रीति जिंटा ने अपने करियर के दौरान कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है. उनकी फिल्म द हीरो- रोल लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई में वो एक एजेंट बनी हैं. सनी देओल भी फिल्म के लीड हीरो हैं. वहीं प्रीति ने भी जासूस बनकर मकदस को अंजाम दिया था. आलिया भट्ट का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं. सीधी-साधी सहमत बनकर आलिया भट्ट ने फिल्म राजी में पाकिस्तान में घुसकर दुश्मनों के पसीने छुड़ा दिए थे. इस फिल्म में आलिया रॉ एजेंट बनी थीं और उन्हें कई फाइट सीन्स भी दिए हैं. शबाना और बेबी जैसी फिल्मों में तापसी पन्नू एक्शन की ताबड़तोड़ बारिश की है. उनका दोनों ही किरदार दमदार और तारीफ के लायक हैं. वहीं तापसी का किरदार इन फिल्मों में एक रॉ एजेंट का था, जिसे उन्होंने बेहतरीन तरीके से निभाया था.फिल्म फोर्स 2 भले ही शानदार कमाई न कर पाई हो, लेकिन इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने एक रॉ एजेंट का रोल निभाया था. उन्होंने फिल्म के कुछ सीन्स में जमकर एक्शन भी किया है. उनके काम को पसंद किया गया था. रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल में भी एक जासूस था और वो कोई और नहीं बल्कि तृप्ति डिमरी थीं. तृप्ति जासूस बनकर रणबीर के करीब जाती हैं, लेकिन फिर खुद ही अपना सच सामने बचा देती हैं.

जया बच्चन से तुलना पर काजोल का रिएक्शन

90 के दशक की खूबसूरत एक्ट्रेस काजोल आज भी फिल्मी दुनिया में एक्टिव है. इन दिनों एक्ट्रेस अपनी फिल्म 'मां' का प्रमोशन कर रही हैं. काजोल अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं. वह अपनी राय खुलकर सभी के सामने रखती हैं. हाल ही में काजोल की तुलना जया बच्चन से की गई. जहां वह जया बच्चन की तरह पैपराजी पर चीखती-चिल्लाती हुई नजर आ रही थीं. काजोल ने अब सच का खुलासा किया है. उनका कहना है कि वो ऐसा करने पर मजबूर कर देते हैं. काजोल की मानें तो किसी के अंतिम संस्कार में पैप्स की हरकत देखकर उन्हें काफी अजीब लगा था. जूम से बातचीत करने के दौरान काजोल ने कहा कि अगर सभी ये सोचते हैं कि वह डरावनी हैं, तो कोई बात नहीं. प्लीज मां फिल्म देखने जाएं. एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लगता है कि अभी सब उस वीडियो के बारे में हैं. पैप्स इंतजार करते हैं कि वो लोग कुछ कहें.

वे आपको फुसला लेते हैं, पुश करते हैं, जब तक कि आपको ऐसा करना ना पड़े! उनपर चिल्लाएं नहीं, लेकिन कम से कम कहें, 'सुनो, शांत हो जाओ. काजोल मे आगे कहा कि आप जानते हैं, अच्छी फोटोज लेने के लिए आपको चीखने-चिल्लाने की जरूरत नहीं है. ये सब बातें सिर्फ फोटोज खींचने या वीडियो लेने के बारे में नहीं है. ये उस रिएक्शन के बारे में है, जो वे चाहते हैं, क्योंकि इसके साथ एक टैगलाइन जुड़ी होती है या वे किसी तरह से निगेटिव टैगलाइन जोड़ सकते हैं. बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू के दौरान पैप्स को लेकर काजोल ने पहले भी चिंता जताई थी. काजोल ने कहा था कि वह पैप्स को लेकर थोड़ा सचेत रहती हैं. उन्हें लगता है कि कुछ जगह ऐसी होती हैं, जहां उन्हें नहीं होना चाहिए. जैसे उन्हें ये बहुत अजीब लगता है, जब वे किसी के अंतिम संस्कार में एक्टर्स के पीछे भागते हैं और तस्वीरें मांगते हैं. उन्हें ये अजीब और थोड़ा अपमानजनक लगता है.

'पंचायत 3' की कहानी से खुश नहीं दिखे फैन्स

टीवीएफ की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज 'पंचायत 4' आखिरकार प्राइम वीडियोज पर स्ट्रीम हो गई है. जितेंद्र कुमार और नीना गुप्ता के इस शो के पिछले तीनों सीजनों को दर्शकों का बेहतरीन रिस्पांस मिला था. ऐसे में अब लोगों को 'पंचायत 4' से काफी उम्मीदे हैं. बता दें कि इस सीजन फुलेरा गांव में चुनावी माहौल देखने को मिलेगा, जिसमें नीना गुप्ता यानी मंजू देवी और बनराकस की पत्नी क्रांति देवी के बीच प्रधानी के पद के लिए टक्कर देखने को मिलेगी. बॉलीवुडलाइफ की इस रिपोर्ट में पढ़ें नीना गुप्ता, सुनीता राजवर, जितेंद्र कुमार, चंदन रॉय, रघुबीर, दुर्गेश कुमार और अशोक पाठक के इस शो को एक्स पर दर्शकों का कैसा रिस्पांस मिल रहा है. पंचायत 4 के स्ट्रीम होते ही एक्स पर रिव्यू भी सामने आने लगे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'किरदारों की स्ट्रांग परफॉर्मेंस, स्टोरीलाइन बहुत ही इमोशनल है. लव एंगल की वजह से स्टोरीलाइन में अच्छा टच आया है. लेकिन किसी-किसी पार्ट में यह शो बोर करता है, खासकर तब जब इसे पिछले शोज से कंपेयर किया जाए. इस बार शो में कॉमेडी बहुत कम है, और ऐसा लग रहा है कि कहानी को खींचा गया है.

दिलजीत ने फिल्म को लेकर दी सफाई?

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी फिल्म सरदार जी 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आ रही हैं, जिस वजह से दिलजीत को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोलिंग झेलनी पड़ रही है। इसी बीच दिलजीत ने एक इंटरव्यू में विवाद का जिक्र ना करके इस पर इनडायरेक्ट तरीके से बात की। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया में हर तरफ युद्ध का माहौल है, तब हमें सीमाओं से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, "देश आपस में लड़ रहे हैं, लेकिन हमारे पास इन बातों पर कोई कंट्रोल नहीं होता। मुझे लगता है कि म्यूजिक ऐसी चीज है जो सबको जोड़ता है। मैं खुश हूं कि मैं ऐसे काम का हिस्सा हूं जो देशों के बीच प्यार फैलाती है।" 'मैं इस धरती का बच्चा हूं' दिलजीत ने आगे कहा, "हमें देशों की सीमाओं से ऊपर उठकर सोचना चाहिए और सिर्फ धरती मां को अपना मानना चाहिए। सारी सीमाएं इसी धरती का हिस्सा हैं और मैं खुद को उसी से जुड़ा हुआ मानता हूं।" 'मैं राजनीति में नहीं पड़ना चाहता' राजनीति पर बात करने से बचते हुए उन्होंने कहा, "मैं राजनीति पर कुछ बोलना नहीं चाहता क्योंकि वो एक अलग एरिया है। मैं कोई गलती नहीं करना चाहता।

51 की उम्र में कुंवारी है गीता कपूर

गीता कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की एक मशहूर कोरियोग्राफर है और आपको बता दें कि उन्होंने कई सारे सुपरहिट गानों को खुद कोरियोग्राफी किया है। हर कोई उन्हें गीता मां कहकर बुलाता है। लेकिन वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं और उनकी उम्र 51 साल की हो चुकी है लेकिन फिर भी उन्होंने अभी तक शादी नहीं की अब इसी बीच गीता कपूर का एक वीडियो तेजी से वायरल होता हुआ नजर आ रहा है। उनके इस वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है. कि होस्ट ने उनसे सवाल किया कि क्या आप मास्टरबेशन करती हैं? इस पर गीता कपूर ने जवाब देते हुए कहा कि हां बिल्कुल, लेकिन आप यह सवाल पूछने में इतना घबरा क्यों रहे हो? इस पर होस्ट ने जवाब देते हुए कहा कि आपको सब गीता मां कहते हैं इसीलिए। इस पर गीता कपूर जवाब देते हुए कहती है कि ये गलत नहीं है। आज के समय में इसे खुद का ख्याल रखने का एक तरीका कहा जाता है। यह महिलाओं की वेलनेस के लिए है। वह खुद अपना ध्यान रखती हैं।

बबीताजी से ज्यादा स्टाइलिश हैं अंजलि भाभी

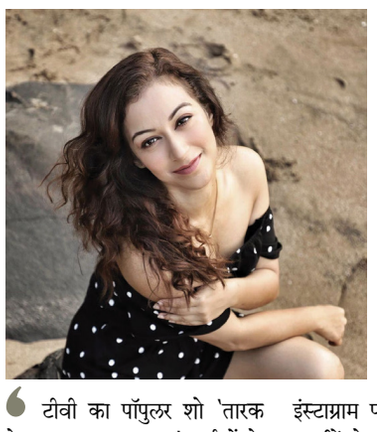

टीवी का पॉपुलर शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' दर्शकों के दिलों में लंबे वक्त से राज कर रहा है. साथ ही टीआरपी चार्ट में भी अपनी जगह बनाए हुए हैं. साल 2008 में शुरू हुए इस सीरियल का हर किरदार एक स्पेशल जगह रखता है. बात जेठालाल, दयाबेन की हो या फिर बबीता जी की हर कोई अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में रहता है.

पर क्या आप जानते हैं उस एक कैरेक्टर को, जो 'बबीता जी' से एक कदम आगे हैं? 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में 'बबीताजी' का किरदार मुनमुन दत्ता निभा रही हैं. जिन्हें शो से काफी प्यार मिला है. लेकिन शो के बाद भी वो लाइमलाइट में बने रहने का एक मौका नहीं छोड़ती. 37 साल की एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस और स्टाइलिश हैं. वो इंस्टाग्राम पर एक से बढ़कर एक तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.

लेकिन उन्हें कांटे की टक्कर देने वाली भी उसी शो में हैं, जो है अंजलि भाभी. जी हां, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की अंजलि भाभी की बात कर रहे हैं. सुनैना फौजदार इस वक्त टीवी शो में अंजली तारक मेहता का किरदार निभा रही हैं. उन्हें काफी पसंद भी किया जाता है. उन्हें शो में काफी फिटनेस फ्रीक दिखाया गया है, जो हर वक्त तारक को हेल्दी खाना खाने की बात कहती हैं. साथ ही एक्सरसाइज करने पर भी जोर देती हैं. हालांकि, सुनैना फौजदार को नई अंजलि भाभी भी कहा जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि उनसे पहले यह किरदार नेहा मेहता निभा रही थीं. लेकिन उनकी जगह बाद में सुनैना फौजदार ने ले ली. एक्ट्रेस को अब दर्शक तारक की पत्नी के रोल में एक्सेप्ट कर चुके हैं, साथ ही काफी तारीफ भी करते हैं. सुनैना फौजदार रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं, जो सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. उनका हर लुक बेहद जबरदस्त होता है. एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर 1.1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं.

सुनैना फौजदार के स्टाइल और खूबसूरती की भी काफी तारीफ होती है. एक्ट्रेस ने स्टार प्लस के शो संतन से टीवी डेब्यू किया था. फिर साल 2008 में ही सोनी टीवी के सीरियल 'मीत मिला दे रब्बा' में दिखाई दीं. जहां उन्होंने निक्की का रोल प्ले किया था.

ब्लॉकबस्टर की तैयारी में जुटे प्रियंका और महेश बाबू

एस.एस राजामौली अपनी फिल्मों के लिए ऐसी प्लानिंग करते हैं, जो उन्हें सफलता की सीढ़ी तक ले जाती हैं. हर बार की तरह अपनी 7 एसएसएमबी 29 के लिए भी वो कुछ ऐसा ही प्लान कर रहे हैं. जिसका बजट 1000 करोड़ रुपये बताया गया है. साथ ही भारतीय सिनेमा इतिहास की महंगी फिल्म कही जा रही है. फिल्म के कुछ शेड्यूल कंप्लीट करने के बाद महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा अब बड़े धमाके की तैयारी में हैं. जो भारत से 5000 किलोमीटर दूर होगा. क्योंकि वहां फिल्म का इंट्रोडक्शन सीन शूट किया जाएगा.बीते दिनों पता लगा था कि एस.एस राजामौली ने हैदराबाद में ही वाराणसी बसा दिया है. दरअसल फिल्म में बनारस भी दिखाया जाएगा. जिसकी शूटिंग हैदराबाद में की गई है. और उसके लिए राजामौली ने 50 करोड़ का एक सेट बनवाया है. भारत के बाद इस जंगल एडवेंचर का शूट कहां होगा? जानिए एस.एस राजामौली फिल्म के अहम हिस्से की शूटिंग केन्या में करने वाले हैं. जो भारत से 5000 किलोमीटर की दूरी पर है. केन्या वाले शेड्यूल में महेश बाबू और महेश बाबू दोनों ही मौजूद रहेंगे, क्योंकि यहां दोनों का इंट्रोडक्शन सीन शूट किया जाएगा. इसे मुख्य तौर पर अफ्रीका की जमीन पर शूट किया जाना है. हालांकि, यह सीन सिर्फ इंट्रोडक्शन तक ही नहीं होगा, बल्कि पूरी फिल्म की कहानी में अहम मोड़ लाएगा. या कहूं कि यह एक सीन पूरी कहानी को पलटकर रख देगा.राजामौली की इस जंगल एडवेंचर को लेकर कई तरह के अपडेट्स सामने आ रहे हैं. पर मेकर्स की तरफ से कुछ भी नहीं बताया जा रहा. दरअसल फिल्म में जिन एक्टर्स को कास्ट किया गया है, वो भी कुछ खास अपडेट नहीं दे सकते हैं. क्योंकि उन्होंने एग्रीमेंट साइन किया है. अगर टीम के किसी भी सदस्य की तरफ से ऐसा किया जाता है, तो सजा भुगतनी पड़ेगी. महेश बाबू- प्रियंका चोपड़ा के अलावा पिक्चर में पृथ्वीराज सुकुमारन और आर माधवन के होने की खबरें भी हैं.

तारे ज़मीन पर के सेट पर दर्शील को मिलती थी डांट

बॉलीवुड एक्टर दर्शील सफारी ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी. वह केवल 10 साल की उम्र में आमिर खान के साथ फिल्म 'तारे जमीन पर' में नजर आए थे. इस मूवी में उन्होंने ईशान का रोल निभाया था और यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. अब आमिर खान पूरे 18 साल बाद इस फिल्म के सीक्वल 'सितारे जमीन पर' के साथ थिएटरों में उतरे हैं और एक्टर की इस फिल्म को भी जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है. अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर दर्शील सफारी ने 'तारे जमीन पर' की शूटिंग के एक्सपीरियंस को साझा किया और साथ ही उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें सेट पर खूब डांट भी पड़ती थी.'जब तारे जमीन पर' मूवी रिलीज हुई थी. कि तब मैं केवल 10 साल का था, यानी मैं बहुत ही छोटा था लेकिन मैंने उससे भी पहले से गेम खेलना शुरू कर दिया था.

ट्विंकल को पापा राजेश खन्ना की खास नसीहत

अक्षय कुमार का नाम कई बड़ी और खूबसूरत एक्ट्रेसेस के साथ जुड़ा. लेकिन रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी के साथ उनकी प्रेम कहानी के चर्चे आज भी होते रहते हैं. लेकिन ये सभी बातें अब महज गुजरा वक्त बन चुकी हैं और सच्चाई ये है कि अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना को अपनी पत्नी के रूप में चुना. हालांकि शादी से पहले ट्विंकल और अक्षय की भी प्रेम कहानी के चर्चे हर गलियारे में मशहूर थे. लेकिन इनकी लव स्टोरी पूरी हुई और शादी भी हुई. दोनों को शादी से दो बच्चे हैं. हालांकि कम ही लोग जानते हैं कि दिग्गज एक्टर राजेश खन्ना ने अपनी बेटी ट्विंकल को एक खास सलाह थी, जो अक्षय से जुड़ी हुई थी.दरअसल राजेश खन्ना का एक बेहद पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में सुपरस्टार राजेश से उनके दामाद अक्षय कुमार को लेकर सवाल किया जा रहा है. जिसपर एक्टर अपने दामाद की फिरकी लेते हुए दिखाई दे रहे हैं. वहीं उन्होंने ये भी बताया कि अपनी बेटी टीना से उन्होंने क्या कहा था और वो क्यों जरूरी थी. चलिए जानते हैं कि आखिर इस वीडियो में क्या बातें हो रही हैं. राजेश खन्ना ने कहा, इस उम्र में तो हमारा जमाई राजा है वो बहुत गाता है. कभी वो भूल भुलैया करता हैं. पता नहीं क्यों करता है. बहुत हेरा-फेरी करता है... हेरा फेरी वाला ही आदमी है वो. मैंने अपनी बेटी को भी बोला है, देखो टीना बाबा... टीना बोलता हूं क्योंकि ट्विंकल उसका नाम है.मैंने कहा टीना बाबा लगाम खींचकर रखना. इसकी लगाम खींचकर रखना.. लेकिन इतनी भी मत खिंचना की टूट जाए अक्षय कुमार को लेकर राजेश खन्ना ने एक बार भविष्यवाणी की थी कि वो बड़े सुपरस्टार बनेंगे. अक्षय भी अपने ससुर को पिता की तरह मानते थे और उनसे अक्सर सलाह लिया करते थे. दोनों के बीच मजबूत रिश्ता हुआ करता था. अक्षय ट्विंकल से शादी से पहले ही राजेश खन्ना के टच में थे. उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वो उन्हीं की बेटी से शादी भी कर लेंगे. एक बार एक्टर ने बताया था कि वो कैसे राजेश खन्ना के पास काम मांगने जाया करते थे.

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज आज से शुरू

ब्रिजटाउन.

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच 25 जून से तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज शुरू होगी। इसी के साथ दोनों देश अपने नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी करेंगे। दोनों देश पहला टेस्ट मैच बारबाडोस में 25-29 जून के बीच खेलेंगे। इसके बाद 3-7 जुलाई के बीच ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट का आयोजन होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 12-16 जुलाई के बीच जमैका में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच शुरुआती दो टेस्ट भारतीय समय के अनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे, जबकि अंतिम टेस्ट

मुकाबला 12 जुलाई की देर रात 12 बजे से खेला जाएगा। इस टेस्ट सीरीज के बाद दोनों देश पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलेंगे, जो 20-28 जुलाई के बीच आयोजित होगी। ये टी20 सीरीज जमैका और सेंट किट्स में खेली जाएगी।

चोटिल होने के चलते ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मैच नहीं खेल सकेंगे। यह मेहमान टीम के लिए एक बड़ा झटका है। हालांकि, दूसरे टेस्ट से पहले स्मिथ के फिट होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच अब तक 120 टेस्ट खेले गए, जिसमें 61 ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। 33 मुकाबले वेस्टइंडीज के नाम रहे। दोनों देशों के बीच साल 1930 से लेकर अब तक 25 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं, जबकि एक मुकाबला टाई भी रहा। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम, पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, सीन एबॉट, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर। वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम, रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), केवलन एंडरसन, क्रेग ब्रेथवेट, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, जोहान लेने, मिकाइल लुइस, एंडरसन फिलिप और जेडन सील्स।

हेली मैथ्यूज की कप्तानी पारी से वेस्टइंडीज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली.

कप्तान हेली मैथ्यूज ने निर्णायक मैच में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रदर्शन करते हुए अपनी क्लास दिखाई, जिससे वेस्टइंडीज ने केव हिल में तीसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका पर छह विकेट से जीत दर्ज करके 12 साल का सूखा खत्म किया। मैथ्यूज (50 गेंदों पर 65 रन) ने शानदार अर्धशतक बनाया और वेस्टइंडीज की रन चेज को गति दी, जिसमें शेमेन कैम्पबेल (38 गेंदों पर 42 रन) बेहतरीन जोड़ीदार साबित हुईं, जिससे कैरेबियाई टीम ने नौ गेंद शेष रहते दक्षिण अफ्रीका के 147/6 के स्कोर को हासिल कर लिया। इसकी मदद से वेस्टइंडीज ने प्रोटियाज पर 2-1 से सीरीज जीत दर्ज की, जो 2013 की शुरुआत के बाद पहली बार था जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को द्विपक्षीय टी20 सीरीज में हराया। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने मियान स्मिथ के पहले टी20 अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में छह विकेट पर 147 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। लेकिन मैथ्यूज ने शानदार बल्लेबाजी की और नौ चौके और एक बड़ा छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को जीत के करीब पहुंचा दिया। मैथ्यूज 16वें ओवर में 65 रन बनाकर सुने लुस का शिकार बनीं, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कुछ उम्मीद बंधी, लेकिन चिनेल हेनरी (नाबाद 20) ने अपना अनुभव दिखाते हुए मेजबान टीम को जीत दिलाई। श्रृंखला हारने से निराश दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने कहा कि वेस्टइंडीज दौरे से उनकी टीम को काफी सकारात्मक चीजें मिली हैं।उन्होंने कहा,"आज के परिणाम से निराश हूं, खास तौर पर इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि हमने काफी रन बनाए हैं। लेकिन हम अपनी गेंदबाजी लाइन सही नहीं कर पाए – उन्होंने विकेट के स्केवयर बहुत ज्यादा रन बनाए और हमने कुछ छोटी-छोटी चीजें गलत कीं। वोल्वार्ट ने कहा, "लेकिन हेली ने इतना अच्छा खेला कि उसे आउट करना मुश्किल था। कुल मिलाकर दौरे पर मुझे लगा कि हमने कुछ अच्छी युवा प्रतिभाओं को सामने लाया जिन्होंने अपना योगदान दिया और टीम के लिए अच्छा योगदान दिया।"

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की लगातार पांचवीं जीत

डलास.

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने मेजर क्रिकेट लीग-2025 (एमएलसी) के 14वें मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ 47 रन से जीत दर्ज की। यह सीजन में उसकी लगातार पांचवीं जीत रही, जिसके साथ टीम प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पायदान पर मजबूती के साथ खड़ी है। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने सीजन में अब तक पांच मुकाबले खेले हैं, जिसमें 10 प्वाइंट्स और +2.670 नेट रन रेट के साथ टीम नंबर वन है। वहीं, चौथी हार के साथ एमआई न्यूयॉर्क चौथे स्थान पर मौजूद है। डलास में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की टीम ने 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 246 रन बनाए। टीम को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। कप्तान मैथ्यू शॉर्ट ने टिम सेफर्ट के साथ 8.2 में 86 रन जोड़े। सेफर्ट 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के साथ दूसरे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। शॉर्ट 43 गेंदों में पांच छक्कों और नौ चौकों की मदद से 91 रन बनाकर आउट हुए। शॉर्ट 2023 में आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेले लेकिन खराब फॉर्म की वजह से उन्हें दोबारा किसी टीम ने नहीं खरीदा। उनका बेस प्राइज 75 हजार डॉलर था लेकिन किसी टीम ने रुचि नहीं दिखाई। जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 26 गेंदों में ताबड़तोड़ 64 रन जड़े। इस पारी में आठ बाउंड्री शामिल थीं। उनके अलावा संजय कृष्णमूर्ति 27 और हसन खान ने नाबाद 31 रन जड़े। विपक्षी टीम की ओर से कीरोन पोलार्ड ने सबसे ज्यादा दो विकेट अपने नाम किये। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई न्यूयॉर्क की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 199 रन ही बना सकी। क्विंटन डी कॉक और मोनांक पटेल ने 9.3 ओवरों में 119 रन जोड़े। मोनांक पटेल 33 गेंदों में 60 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रन जुटाए। क्विंटन 46 गेंदों में दो छक्कों और आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पूरन ने 15 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। पोलार्ड 16 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन टीम को जीत के करीब भी नहीं लेकर जा सके। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए जेवियर बार्टलेट और रोमारियो शेफर्ड ने दो-दो विकेट झटके।

इंटर मियामी-पाल्मेरास 2-2 ड्रॉ, दोनों टीमें राउंड ऑफ 16 में

ब्राजील.

इंटर मियामी और पाल्मेरास ने मंगलवार को 2-2 से ड्रॉ खेला और इसके साथ ही दोनों टीमें फीफा क्लब विश्व कप 2025 के राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर गईं। पाल्मेरास ने लियोनेल मेसी के लिए एक बेहतरीन जन्मदिन का तोहफा छीन लिया। इंटर मियामी ने ग्रुप ए के अंतिम मैच में 79 मिनट तक बढ़त बनाए रखी, इससे पहले ब्राजीलियाई टीम ने लगातार दो गोल करके ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया।

लुइस सुआरेज द्वारा मिडफील्ड में एक लंबी गेंद को आगे की ओर धकेलने के बाद हेर्रान्स ने बढ़त हासिल कर ली। युवा अर्जेंटीनाई खिलाड़ी पाल्मेरास के डिफेंडरों को चकमा देते हुए वेवर्टन को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गया। सुआरेज ने दूसरे हाफ में समय को पीछे की ओर मोड़ दिया, कई डिफेंडरों को चकमा देते हुए गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त को दोगुना कर दिया।

लेकिन मैच खत्म होने में दस मिनट बाकी थे, स्थानापन्न पॉलिन्हो और एलन ने मिलकर पेनल्टी एरिया में प्रवेश किया। पॉलिन्हो ने पाल्मेरास के प्रशंसकों के सामने गोल दागा, जिससे अंतिम चरण में एक रोमांचक मोड़ आया। समय समाप्त होने के साथ ही पाल्मेरास ने बॉक्स में गेंद फेंकी, जिसे ठीक से क्लीयर नहीं किया गया और स्थानापन्न मौरिसियो के पास गिरी, जिन्होंने बॉक्स के किनारे से गोल दागा, जिससे यात्रा कर रहे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। "यह हमारे लिए एक शानदार मैच था, दक्षिण अमेरिका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना मुश्किल है। शायद अंत में मैच हमारे हाथ में था, इसलिए यह अजीब लग रहा था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अगर कोई मुझसे कहता कि हम इस तरह की टीमों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन करने जा रहे हैं, तो मैं इस पर हस्ताक्षर कर देता।"

इंटर मियामी के मुख्य कोच जेवियर मास्चेरानो ने कहा, "यह एमएलएस के लिए एक ऐतिहासिक रात है क्योंकि हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ 16 टीमों में शामिल हैं और सभी एमएलएस को इंटर मियामी पर गर्व होना चाहिए।" इंटर मियामी रविवार को अटलांटा में ग्रुप बी विजेता और यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन का सामना करेगा। पाल्मेरास शनिवार को फिलाडेल्फिया में साथी ब्राजीलियाई टीम और कॉनमेबोल कोपा लिबर्टाडोरेस चैंपियन बोटाफोगो से भिड़ेगा।

लीड्स टेस्ट में शतकवीर पंत को आईसीसी की फटकार

लंदन.

ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाकर इतिहास तो रचा. मगर उस इतिहास को रचने के दौरान उनसे एक गलती भी हुई, जिसके चलते उन्हें डांट खानी पड़ी. ऋषभ पंत को डांट-फटकार आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट को तोड़ने के लिए लगाई गई है. पंत को लेवल 1 के तहत दोषी पाया गया, जिसके बाद मैच रेफरी ने उन्हें फटकार कर छोड़ दिया. मतलब उन पर और कोई कार्रवाई नहीं हुई. आईसीसी की ओर से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि पंत को आर्टिकल 2.8 के तहत दोषी पाया गया है, जो कि इंटरनेशनल मैचों में अंपायर के फैसले के खिलाफ विरोध या आपत्ति जताने से जुड़ा है. इस कोड ऑफ कंडक्ट को तोड़ने के लिए पंत के खाते में 1 डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है.

अब सवाल है कि पंत से वो गलती हुई कब, जिसके लिए ऋषभ पंत को डांटा-फटकारा गया. ये मामला लीड्स टेस्ट में तीसरे दिन के खेल का है. इंग्लैंड की पहली इनिंग के 61वें ओवर के दौरान अंपायर ने बॉल की शेप को जांचने और परखने के बाद उसे बदलने से मना कर दिया. इस पर पंत ने अंपायर के सामने गेंद को जमीन पर पटककर अपना विरोध जताया था, जिसके लिए उन्हें फटकार लगी है. आईसीसी की प्रेस रिलीज के मुताबिक ऋषभ पंत ने उस मामले में अपनी गलती मैच रेफरी रिची रिचर्डसन के सामने मान ली है, जिसके बाद उस मामले में आगे कोई सुनवाई की जरूरत नहीं रह गई. पंत के विरोध को लेकर मैच रेफरी से उनकी शिकायत ऑन फील्ड अंपायर्स पॉल राइफल और क्रिस जाफने ने की थी. उनके अलावा थर्ड अंपायर शर्फुदौला और फोर्थ अंपायर माइक बर्न्स ने भी आरोप लगाया था. लेवन 1 के तहत दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों के लिए कम से कम सजा फटकार की होती है. जबकि ज्यादा से ज्यादा सजा उनके मैच फीस में 50 फीसद कटौती करने और एक या दो डिमेरिट पॉइंट जोड़ने की होती है.

2026 में सीएसके से जुड़ सकते हैं संजू सैमसन ?

नई दिल्ली.

भारतीय टीम के बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आ रही है. आरसीबी फ्रेंचाइजी के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट गेब्रियल बेन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए ये दावा किया है कि संजू सैमसन को आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से भाग लेते हुए देखा जा सकता है. आईपीएल 2025 में संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की कप्तानी की थी. हालांकि बल्ले से वो अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे थे.

लेकिन क्या सच में सैमसन अगले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आएंगे? एक पोस्ट में दावा किया गया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट गेब्रियल बेन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें संजू सैमसन की फोटो थी. फैंस को ऐसा लग रहा है कि अब इस धाकड़ खिलाड़ी को आईपीएल के अगले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए देखा जा सकता है. हालांकि, इस समय संजू सैमसन का पूरा फोकस केरल क्रिकेट लीग टूर्नामेंट पर होगा.

केरल क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने खुलासा किया है कि केसीएल के ऑक्शन में संजू सैमसन ने भी रजिस्टर किया है और ये टूर्नामेंट आईपीएल 2026 से पहले खेला जाएगा. केरल क्रिकेट लीग का पिछला सीजन 2 सितंबर से 18 सितंबर तक त्रिवेंद्रम में खेला गया था. इस मैच का फाइनल एरिस कोलम सेलर्स और कैलीकट ग्लोबस्टर्स के बीच में हुआ था. एरिस कोलम सेलर्स ने इस मैच को 6 विकेट से अपने नाम किया था. टीम की ओर से सचिन बेबी ने 104* रन की मैच विनिंग पारी खेली थी.

फिलहाल सभी की नजरें संजू सैमसन पर होगी जो पिछले काफी समय से फॉर्म में नजर नहीं आ रहे हैं. संजू का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में काफी खराब रहा था. उन्होंने 2025 सीजन में 9 मैच में 35.63 के औसत से 285 रन बनाए थे. चोटिल होने की वजह से वो सभी मैच में भाग नहीं ले पाए थे. यही नहीं इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैच की टी20 सीरीज में भी उन्होंने 10.21 के औसत से सिर्फ 51 रन ही बनाए थे. फिलहाल भारतीय खिलाड़ी अपने खराब फॉर्म को भूलाकर केरल क्रिकेट लीग 2025 में दमदार बल्लेबाजी करना चाहेंगे. सभी फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम में जरूर शामिल करना चाहेंगी.

सौरव का जय शाह पर बड़ा बयान

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह को लेकर बड़ा बयान दिया है. सौरव गांगुली ने कहा है कि जय शाह अपने तरीके से ही काम करना चाहते हैं लेकिन उनका पूरा फोकस इंडियन क्रिकेट को बेहतर करने पर होता है. बता दें गांगुली को 2019 में भारतीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था.

उन्होंने 3 साल तक इस भूमिका को अच्छी तरह से संभाला, उन्होंने जय शाह के साथ मिलकर कई बड़े फैसले लिए. गांगुली ने कहा, 'जय शाह के काम करने का अपना तरीका था, लेकिन उनके बारे में सबसे अच्छी बात ये थी कि वो भारतीय क्रिकेट के लिए चीजों को ठीक से करना चाहते थे. देखिए, उनके पास शक्ति और समर्थन था, इसलिए आप उनसे एक निश्चित तरह की कठोरता और अपनी मर्जी की उम्मीद करते थे, लेकिन वो भारतीय क्रिकेट के लिए काम करते थे. ' बीसीसीआई के अध्यक्ष बनने से पहले सौरव गांगुली बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के हेड थे जबकि जय शाह गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन में एक अहम पद पर थे. सौरव गांगुली के जाने के बाद रॉजर बिन्नी को 2022 में ही बीसीसीआई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. गांगुली ने आगे कहा, 'हमारा रिश्ता सच में काफी अच्छा था और अभी भी वैसा ही है. 2019 में जब वो आए थे तो काफी युवा लड़के थे. वो गुजरात सीए से आए थे. सौरव गांगुली का मानना है कि समय के साथ शाह अपने काम में बेहतर होते गए.

जल्द ही 53 साल के होने वाले सौरव गांगुली ने कहा, वो खिलाड़ियों का बहुत सपोर्ट करते हैं. जैसे-जैसे उन्होंने सीखा, वह बेहतर होते गए. उनके बारे में अच्छी बात यह थी कि वह खेल के लिए अच्छा करना चाहते थे.' उन्होंने कहा कि जय शाह अपनी स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थे और हमेशा अपने काम को सिद्धांतों के अनुसार करना चाहते थे. उन्होंने आईसीसी के अध्यक्ष को ईमानदार भी कहा.

लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया की शिकायत पर अंपायर रहे चुप

लंदन.

लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी के दौरान टीम इंडिया के साथ कुछ ऐसा हो गया जिसने सभी को हैरान कर दिया. टीम इंडिया के खिलाड़ी अंपायर से शिकायत करते रह गए लेकिन अंपायर के कान में जूं तक नहीं रेंगी. आइए आपको बताते हैं कि दरअसल हुआ क्या? टीम इंडिया जब दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रही थी तो 14वें ओवर में सिराज ने शुभमन गिल को बताया कि गेंद की शेप खराब है. इसके बाद शुभमन गिल अंपायर के पास गए और उन्होंने गेंद बदलने की मांग की लेकिन अंपायर ने उनकी एक नहीं सुनी. बॉल बदलने की टीम इंडिया कि डिमांड दूसरी पारी में नहीं आई है. पहली पारी में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था. टीम इंडिया ने पहली पारी के दौरान भी गेंदबाजी में भी दो बार गेंद बदलने की डिमांड की थी.दोनों बार अंपायर ने उस मांग को मानने से इनकार कर दिया. ऋषभ पंत को अंपायर के फैसले पर गुस्सा आ गया था और उन्होंने गेंद फेंक दी थी, यही वजह है कि उन्हें मैच रेफरी ने वॉर्निंग भी दी है.

टेस्ट क्रिकेट में गेंद बदलना इतना आसान नहीं होता है. जबतक अंपायर को गेंद अपनी आंखों से बदली हुई शेप की ना लगे तब तक वो उसे नहीं बदलता है. यही नहीं अगर गेंद खो जाए तो ही गेंद बदली जाती है. उससे पहले फील्डिंग टीम चाहे लाख कितनी मिन्नतें कर ले, अंपायर इतनी आसानी से गेंद नहीं बदलते हैं. अंपायर के पास गेंद के आकार को चेक करने का पैमाना भी होता है, जब तक गेंद उसके आर-पार होती है तबतक गेंद नहीं बदली जाती है. कुछ ऐसा ही लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया के साथ हुआ. गेंद की शेप अगर बिगड़ जाए तो गेंदबाजों को खासी दिक्कत होती है. वो गेंद को स्विंग और सीम नहीं करा पाते हैं.

बल्लेबाज के लिए ऐसे में रन बनाना आसान हो जाता है. यही वजह है कि टीम इंडिया लीड्स टेस्ट के पांचवें दिन कई बार अंपायर से गेंद की शिकायत करती नजर आई.

बुमराह ने खोला राज- क्यों उनकी गेंदबाजी है सबसे अलग

लंदन. जसप्रीत बुमराह मौजूदा दौर के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं. फॉर्मेट कोई भी हो, बुमराह की गेंदबाजी का जलवा दिखाई देता है. फिलहाल वो इंग्लैंड में अपना कमाल दिखा रहे हैं जहां उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट झटके. जसप्रीत बुमराह ने इस मैच में आक्रामक गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया. जसप्रीत बुमराह ने अब अपनी कहर बरपाती गेंदबाजी का राज बताया है. उन्होंने बताया कि उनकी गेंदबाजी की तकनीक दूसरे गेंदबाजों से हटकर है. जसप्रीत बुमराह की सफलता का रज़, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर इयान वार्ड ने जसप्रीत बुमराह से जब पूछा कि उनकी गेंदबाजी तकनीक अलग क्यों है और इसके पीछे का क्या कारण है तो भारतीय खिलाड़ी ने जवाब दिया, 'मैं थोड़ा सा अलग हूं. मैं अपनी इंडेक्स उंगली का इस्तेमाल नहीं करता मैं हर समय बीच वाली उंगली को इस्तेमाल करता हूं. जब मुझे आउटस्विंग फेंकनी होती है तो मैं गेंद को फ्लिक करता हूं. जब मुझे इनस्विंग फेंकनी होती है तो उसके लिए मैं दूसरी तकनीक का इस्तेमाल करता हूं. ऐसा इसलिए क्योंकि मेरे गेंदबाजी शैली की वजह से मैं अपने हाथ को ज्यादा बदल नहीं सकता हूं.'

सुनील शेट्टी के दामाद केएल राहुल का लीड्स टेस्ट में शतक

लंदन. सुनील शेट्टी खुशी के मारे चूर हैं. गर्व से उनका सीना चौड़ा हो रखा है. हो भी क्यों ना दामाद जी ने शतक जो लगाया है? सुनील शेट्टी के दामाद जी से यहां मतलब केएल राहुल से है. दरअसल, केएल राहुल और सुनील शेट्टी की बेटी अथिया, पति-पत्नी हैं. लेकिन, यहां बात सुनील शेट्टी के दामाद की निजी जिंदगी की नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ की होगी. वो लाइफ जो इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में उनके जमाए शतक के बाद चर्चा में है. केएल राहुल ने 18 चौके के साथ ठोके 137 रन टीम इंडिया के ओपनर केएल राहुल ने लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 247 गेंदों का सामना करते हुए 137 रन बनाए, जिसमें 18 चौके शामिल रहे. ये शतक उनके इनफॉर्म होने का सबूत तो पेश करने वाला रहा ही, साथ ही जिन हालातों में विकेट का एक छोर संभालते हुए उन्होंने इसकी स्क्रिप्ट लिखी वो भी कमाल की रही.

बांग्लादेश-श्रीलंका दूसरा टेस्ट आज से, निर्णायक मुकाबला

कोलंबो.

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच 25 जून से दूसरे टेस्ट की शुरुआत होने जा रही है। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ था, जिसके बाद सीरीज का यह अंतिम मुकाबला निर्णायक बन चुका है। श्रीलंका-बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा। मैच से पहले मेजबान श्रीलंका को बड़ा झटका लग चुका है। तेज गेंदबाज मिलन रत्नायके बाएं हिस्से में खिंचाव के चलते दूसरे मुकाबले से बाहर हो चुके हैं। दूसरी ओर, अनुभवी ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज भी पहले टेस्ट के बाद इस फॉर्मेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में इनकी जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो और दुनिथ वेलालेज को टीम में शामिल किया गया है। बांग्लादेश की बात करें, तो नजमुल शांतो की कप्तानी में टीम दो मुकाबलों की इस सीरीज को अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। नजमुल शांतो गॉले में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज थे। उनके अलावा मुशफिकुर रहीम ने भी 163 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजी में बांग्लादेशी टीम को नईम हसन, हसन महमूद और तैजुल इस्लाम से काफी उम्मीदें होंगी। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच अब तक कुल 27 टेस्ट खेले गए हैं। श्रीलंका ने इसमें 20 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि बांग्लादेश सिर्फ एक ही टेस्ट अब तक इस टीम के खिलाफ जीत सका है। दोनों देशों के बीच छह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश, शादमान इस्लाम, अनामुल हक, मोमिनुल हक, नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मुशफिकुर रहीम, लिटन दास (विकेटकीपर), जेकर अली, नईम हसन, तैजुल इस्लाम, हसन महमूद, नाहिद राणा, हसन मुराद, खालिद अहमद, महिदुल इस्लाम अंकोन, इबादत हुसैन और मेहदी हसन मिराज। दूसरे टेस्ट के लिए श्रीलंका, पथुम निसंका, लाहिरु उदारा, दिनेश चांडीमल , कामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), पवन रत्नायके, थारिंदु रत्नायके, प्रभात जयसूर्या, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, अकिला धनंजय, कसून रजिथा, ओशदा फर्नांडो, पासिंदु सोरियाबंदरा, सोनल दिनुषा, दुनिथ वेलालेज और इसिथा विजेसुंडेरा।

बिहार देश की आत्मा है

> मुजफ्फरपुर में बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

पटना.

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम के दौरान बिहार की गौरवशाली विरासत की तारीफ की. उन्होंने कहा कि बिहार केवल एक राज्य नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा है. उन्होंने कहा कि यह वो धरती है, जहां बुद्ध और महावीर का बोध, चंपारण का प्रतिरोध और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का संविधान निर्माण, सब एक ही धरातल पर मिलते हैं. मुजफ्फरपुर के ललित नारायण मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए

धनखड़ ने कहा कि बिहार की भूमि भारत की दार्शनिक नींव का जन्मस्थल है. बिहार बुद्ध, महावीर और डॉ राजेन्द्र प्रसाद की विरासत का संगम है. ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैम्ब्रिज को मिला लें तो भी नालंदा की बराबरी नहीं हो सकती.

धनखड़ ने कहा कि बिहार प्राचीन काल में वैश्विक शिक्षा का केंद्र था. नालंदा, विक्रमशिला और ओदांतपुरी, ये केवल विश्वविद्यालय नहीं थे, ये सभ्यता थे. पांचवीं शताब्दी में नालंदा एक रेजिडेंशियल यूनिवर्सिटी थी, जहां चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत और मध्य एशिया से लोग ज्ञान अर्जित करने आते थे. यह तीनों संस्थान हमारे लिए हमेशा प्रेरणा रहेंगे कि हम कहां थे और हमें कहां पहुंचना है.

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भी ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैम्ब्रिज को मिला लें, तो नालंदा की बराबरी नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था, हमें जयप्रकाश नारायण जैसी विभूतियों को सदैव स्मरण रखना होगा. धनखड़ ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं उस समय केंद्र में मंत्री था जब मंडल आयोग लागू हुआ और आज जब मैं राज्यसभा का सभापति हूं, कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित होते देखना मेरे लिए गौरव की बात है. सामाजिक न्याय की नींव में बिहार का योगदान अमिट है.

चंपारण केवल एक सत्याग्रह नहीं था

उपराष्ट्रपति ने कहा कि चंपारण केवल एक सत्याग्रह नहीं था, वह राष्ट्र-निर्माण की नई व्याकरण की शुरुआत थी. बिहार वह भूमि है जहां प्राचीन ज्ञान, सामाजिक न्याय और आधुनिक आकांक्षाएं साथ-साथ चलती हैं. जब आजादी की बात होती है, तो चंपारण सत्याग्रह का उल्लेख अनिवार्य है, जो बिहार की पवित्र धरती पर हुआ था. 1917 में महात्मा गांधी जी ने अपना पहला सत्याग्रह आंदोलन चंपारण में शुरू किया.

अब जापान ने भी दिखाई रणनीतिक ताकत

>दशकों बाद किया मिसाइल टेस्ट

नई दिल्ली.

अमेरिका ईरान-इजराइल में उलझा रहा. उधर जापान ने 24 जून को अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है. इसने पहली बार अपने क्षेत्र में मिसाइल की टेस्टिंग की. यह टेस्टिंग होक्काइडो द्वीप के शिजुनाई एंटी-एयर फायरिंग रेंज में की गई. ये टाइप-88 सरफेस टू शिप (शिप) पर अटैक करने वाली शॉर्ट डिस्टेंस मिसाइल है. जो जापान ने अपने को दुश्मनों से बचाने के लिए और चीन को घेरने के लिए टेस्ट की है.

जापान ने ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पहली आर्टिलरी ब्रिगेड ने इस एक्सरसाइज में हिस्सा लिया. जिसमें करीब 300 सैनिक शामिल थे. सैनिकों ने होक्काइडो के दक्षिणी तट से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक मानवरहित नाव पर निशाना साधा. जापानी अधिकारियों ने बताया कि इस टेस्टिंग के परिणामों की जांच अभी जारी है.

यह टेस्टिंग ऐसे समय में हुई है, जब जापान अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाने पर जोर दे रहा है. खास तौर पर चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को जवाब देने के लिए जापान स्ट्राइक-बैक क्षमता विकसित कर रहा है. इस साल के अंत तक जापान लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों, जैसे टॉमाहॉक्स को तैनात करने की योजना बना रहा है. जिससे चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके.

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम जापान की रक्षा नीति में बदलाव का संकेत देता है. जो अब डिफेंसिव से अटैकिंग रुख की ओर बढ़ रहा है. जापान की ये मिसाइल टेस्टिंग क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक ऐतिहासिक कदम है. आने वाले समय में जापान की सैन्य रणनीति और क्षेत्रीय समीकरणों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है.

पहले भी विदेशों में हो चुकी है टेस्टिंग : हालांकि यह जापान के क्षेत्र में पहली मिसाइल टेस्टिंग है. लेकिन इससे पहले जापान ने अपने रक्षा साझेदार देशों, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी मिसाइल टेस्टिंग की है. इस बार अपने क्षेत्र में टेस्टिंग कर जापान ने अपनी स्वतंत्र सैन्य ताकत को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है. यह टेस्टिंग न केवल जापान की सैन्य तैयारियों को दर्शाता है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और शक्ति संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है.

ट्रंप को नहीं मिलेगा शांति का नोबेल?

> यूक्रेनी सांसद ने वापस ले लिया अपना नामांकन

वाशिंगटन.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'नोबेल पीस प्राइज' के लिए नामित करने वाले यूक्रेनी सांसद ने अपना नामांकन वापस ले लिया है. यूक्रेन की संसदीय विदेश समिति के प्रमुख ओलेक्सांद्र मेरेज़्को ने मंगलवार को न्यूजवीक से कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच सीजफायर सुनिश्चित करने की उनकी क्षमता में किसी भी प्रकार का विश्वास और आस्था खो दी है.

मेरेज़्को ने कहा कि हाल के सप्ताहों में यूक्रेनी राजधानी पर बड़े पैमाने पर हुए हमलों पर ट्रंप की कोई प्रतिक्रिया नहीं थी. उन्होंने तुष्टिकरण का रास्ता चुना है. ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को मात्र 24 घंटे में खत्म कराने का वादा किया था. मगर, रूस ने हाल के हफ्तों में यूक्रेन पर विनाशकारी हमले जारी रखे हैं. इतना ही नहीं सीजफायर समझौते पर पहुंचने की कोशिशें भी थमी हुई हैं.

इतना ही नहीं ईरान के 3 प्रमुख परमाणु केंद्रों फोर्दो, इस्फहान और नतांज पर अमेरिका द्वारा हाल ही में किए गए हमलों के बाद पाकिस्तान के भी सुर बदले हैं.

पाकिस्तान में राजनीतिक हलकों और प्रमुख हस्तियों के बीच राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. कई नेताओं ने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है.

पाकिस्तानी सरकार ने शुक्रवार को एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कहा था कि वह भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान शांति प्रयासों के मद्देनज़र ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करेगी. विदेश मंत्री इशाक डार के साइन वाला अनुशंसा-पत्र नोबेल समिति को भेजा जा चुका है. हालांकि अमेरिकी हमलों के बाद इस फैसले पर कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं.

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का शांति का दावा अब झूठा साबित हो चुका है. सरकार को नोबेल नामांकन की सिफारिश तत्काल वापस लेनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी नेतृत्व ट्रंप की सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से हालिया मुलाकात और डिनर से अत्यधिक प्रभावित होकर यह फैसला ले बैठा. फजल ने सवाल उठाया, जो नेता फलस्तीन, सीरिया, लेबनान और अब ईरान पर इजराइल समर्थित हमलों का समर्थन करता हो, वह शांति का प्रतीक कैसे हो सकता है? पूर्व सीनेटर और विदेश नीति विश्लेषक मुशाहिद हुसैन सैयद ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ट्रंप अब संभावित शांतिदूत नहीं, बल्कि युद्ध भड़काने वाले बन गए हैं. सरकार को इस अनुशंसा को तत्काल रद्द कर देना चाहिए.

लुधियाना वेस्ट में जीत पर 'आप' ने निकाला रोड शो

नई दिल्ली.

आम आदमी पार्टी ने लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में जीत के जश्न में एक भव्य रोड शो निकाला. इस रोड शो में मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया, आप पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा, आप पंजाब के कार्यकारी अध्यक्ष अमनशेर सिंह शैरी कलसी और पार्टी के कई विधायक, पदाधिकारियों के साथ हजारों पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए.भारी संख्या में उमड़े आप समर्थकों को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि आपने संजीव अरोड़ा को पहले से भी अधिक अंतर से जिताकर आम आदमी पार्टी पर फिर से अपना भरोसा दिखाया है. लोकतंत्र में जनता ही असली शासक होती है. जो लोग दावा करते थे कि वे कुछ भी हासिल कर सकते हैं, उन्हें कल एहसास हो गया कि उनका अति आत्मविश्वास गलत था.

सीएम मान ने लुधियाना पश्चिम और गुजरात के विसावदर उपचुनाव में आप की जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया और कहा- यह जीत अकेले हमारी नहीं है, यह हर उस पार्टी कार्यकर्ता की मेहनत की जीत है, जो घर-घर जाकर लोगों से जुड़े. जनता ईमानदारी और मेहनत को पहचानती है. हमारा लक्ष्य पंजाब को दूसरा कैलिफोर्निया या लंदन बनाना नहीं है, हमारा लक्ष्य पंजाब के गौरव को फिर से वापस पाना और रंगला पंजाब बनाना है. नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा ने लुधियाना पश्चिम के लोगों और आप कार्यकर्ताओं के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, "यह जीत लुधियाना पश्चिम के लोगों की है. मैं आप सभी को मुझ पर किए भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं. उन्होंने कहा कि पिछले 100 दिन मैंने सिर्फ लोगों का सम्मान करने और उनकी बात सुनने पर ही अपना ध्यान केंद्रित किया. हम यहां के लोगों की हर समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की कोशिश करेंगे."उन्होंने कहा कि अगर यह सेमीफाइनल था, तो अब हम फाइनल को और बड़े अंतर से जीतने के लिए तैयार हैं.

आप के भीतर एकता और अनुशासन की तारीफ करते हुए अरोड़ा ने कहा, "मैं दो परिवारों, आम आदमी पार्टी और लुधियाना पश्चिम के मेरे परिवार का आभारी हूं. साथ मिलकर हमने दिखाया है कि सामूहिक प्रयास और ईमानदार इरादे क्या हासिल कर सकते हैं. यह जीत लुधियाना पश्चिम में परिवर्तनकारी बदलाव की शुरुआत है.

दलितों पर अत्याचार को लेकर ममता का केंद्र पर निशाना

दिसपुर.

ओडिशा और उत्तर प्रदेश में दलितों पर हुए हमले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है. ममता ने कहा कि जो कुछ हुआ वह शर्मनाक है और मैं इसकी निंदा करती हूं. सीएम ममता ने कहा कि मैं दलितों को दलित नहीं बल्कि इंसान के तौर पर देखती हूं. उत्तर प्रदेश में दलितों पर हमले को लेकर भाजपा सरकार जो कुछ कर रही है वह बहुत बुरा है. अब राष्ट्रीय मानव आयोग कहां है? अल्पसंख्यक आयोग कहां है? पश्चिम बंगाल में अगर कुछ होता है तो 100 आयोग आते हैं, अब आयोग कहां है?

ओडिशा के गंजाम जिले में 22 जून को दो लोगों के साथ क्रूरता की गई. गो-तस्करी के शक में गौरक्षकों की भीड़ ने दोनों युवकों को पकड़ लिया. उनके सिर आधे मुंडवाए. उनके साथ मारपीट की और उन्हें घुटनों के बल चलने, मवेशियों का चारा खाने और नाले का पानी पीने के लिए मजबूर किया गया. भीड़ ने उनसे 30 हजार रुपये की मांग की थी, जिसे देने से मना करने पर यह बर्बरता की गई.

इस मामले में पुलिस ने मामले में 9 लोगों को हिरासत में लिया है और बीएनएस की अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इस पर जमकर बवाल खड़ा हो गया. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इसे जातिवादी मानसिकता और बीजेपी शासित राज्यों में दलितों पर बढ़ते अत्याचार का उदाहरण बताया.

उत्तर प्रदेश में भी दलितों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं. हालिया घटना एटा की है, जहां ठाकुरों ने दलित की बारात का विरोध किया. हाथरस के सहपऊ से एटा आई दलित की बारात को नहीं चढ़ने दिया गया. इस पर जमकर हंगामा भी हुआ. मौके पर पहुंची पुलिस पर भी पथराव किया गया. खबर ये भी है कि दुल्हन को पीटा गया. बंधक बनाया गया. इस तरह के मामले न केवल व्यक्तिगत हिंसा को दर्शाते हैं, बल्कि भेदभाव और कानून के कमजोर क्रियान्वयन की समस्या को भी उजागर करते हैं.

कांवड़ यात्रियों के लिए खास तैयारी

नई दिल्ली.

कांवड़ यात्रा को लेकर दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. सरकार का कहना है कि कांवड़ कमेटियों को बिना किसी टेंडर प्रक्रिया के डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से मदद दी जाएगी. इससे भ्रष्टाचार खत्म होगा. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सावन महीने में कांवड़ यात्रा बड़ा धार्मिक त्योहार होता है. इसके लिए पूरी दिल्ली सजती है. आज की इस कैबिनेट में ऐतिहासिक फैसला लिया गया है. पिछली सरकार में तो भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था. इस पूरे आयोजन में करोड़ों रुपए खर्च किए जाते थे, लेकिन जनता तक कुछ नहीं पहुंचता था.मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार में कांवड़ समितियां इंतजार करती रह जाती थीं. इससे सरकार की ओर से दी हुई सहायता भी कांवड़ियों के लिए शून्य हो जाती थी. अब हम इसे भ्रष्टाचार मुक्त रखेंगे.अब कोई ठेकेदारी नहीं होगी, कोई टेंडर नहीं होगा. अब सीधे पैसा ट्रांसफर होगा. रजिस्टर्ड संस्थाएं डीएम को आवेदन भेजेंगी. सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाएगा. पहले हमने ये भी देखा कि बिल्डिंग तीन चार सालों तक पेंडिंग रहती थी. अब चार कैटेगरी में सारा काम होगा. कम से कम 50 हजार रुपये और अधिकतम 10 लाख दिया जाएगा.

आतंकवाद के खिलाफ बड़ी तैयारी

श्रीनगर.

पहलगाम हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है. आतंकवाद से निपटने के लिए रक्षा मंत्रालय ने 2000 करोड़ रुपये के हथियार के इमरजेंसी खरीद को मंजूरी दी है. ड्रोन, रडार से लेकर एयर डिफेंस सिस्टम जैसे कई हथियारों की खरीद के लिए करार किए गए हैं. इस खरीद से सेना की ताकत में और इजाफा होगा. इन हथियारों का इस्तेमाल काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन में किया जाएगा. इमरजेंसी खरीद के अंतर्गत 13 कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप दिया गया है. 2000 करोड़ में से 1981.90 करोड़ रुपए की राशि के इन करारों को अंतिम रूप दिया गया है. यह खरीद भारतीय सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है.पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने इसका बदला लेने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी. पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी जबकि कई लोग घायल हुए थे. ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया था. इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे.

मिडिल-ईस्ट एयरस्पेस हुआ ठप

>अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर गहरा असर

जेरुसलेम.

इजराइल-ईरान जंग के बीच अमेरिका की एंट्री ने तनाव बढ़ा दिया है. जिसके बाद ईरान-अमेरिका भी आमने-सामने आ गए हैं. वहीं सोमवार रात को कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर ईरान ने मिसाइलें दागीं. ईरान के इस एक्शन ने मिडिल ईस्ट के देशों के एयरस्पेस को प्रभावित किया है. दरअसल रविवार को अमेरिकी विमानों ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम गिराए थे. अब ईरान की इस कार्रवाई को अमेरिका से बदले के तौर पर देखा जा रहा है. ईरान ने एयरबेस पर छह मिसाइलें दागी हैं. दोहा में हमले के बाद कई कई देशों के उड़ान प्रभावित हुए हैं. हालांकि कतर के रक्षा मंत्री ने बताया कि कतर की एयर फोर्स ने ज्यादातर मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर लिया.

मिडिल ईस्ट में संकट को देखते हुए एयर इंडिया ने तत्काल प्रभाव से मध्य पूर्व, उत्तर अमेरिका के ईस्ट कोस्ट और यूरोप की और से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से रद्द करने का ऐलान किया है. एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी है कि नॉर्थ अमेरिका से आ रही सभी उड़ानें वापस लौट गई हैं. कुछ उड़ानों को भारत की ओर डायवर्ट किया गया है और कुछ को बंद एयरस्पेस से दूर भेज दिया गया है.भारत में एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि कोचीन से उड़ान भरने वाली एक फ्लाइट को मस्कट डायवर्ट किया गया है, जबकि दोहा जाने वाली अगली फ्लाइट रद्द कर दी गई है.

वहीं कतर एयरवेज की फ्लाइट भी देर से पहुंचेगी. एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा है कि उनकी कतर के लिए कोई अन्य फ्लाइट शेष नहीं है और वे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं. वहीं इंडिगो ने भी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में उड़ान भरने वाली उनकी कई फ्लाइट्स में देरी या डायवर्जन हो सकता है. यात्रियों से लगातार फ्लाइट स्टेटस चेक करने को कहा गया है.

धार्मिक आयोजन को जाति से न जोड़ें:अखिलेश यादव

नई दिल्ली.

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा. इटावा के बकेवर में पिछड़ी जाति के एक कथावाचक पर हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि समाज के उस वर्ग पर हमला है जो अब अपने अधिकारों के लिए मुखर हो रहा है. कथा सुनना सबका हक है तो बोलना भी सबका अधिकार है.

अखिलेश यादव ने कहा कि भागवत कथा किसी एक जाति की नहीं है. जब सब सुन सकते हैं, तो सब कथा कह क्यों नहीं सकते? यह भगवान कृष्ण से जुड़ी है, और सच्चे कृष्ण भक्त को कथा कहने से रोका जाएगा तो यह धर्म का अपमान है.

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रभुत्ववादी ताकतें कथावाचन को अपने नियंत्रण में रखना चाहती हैं और जैसे ही कोई दलित या पिछड़ा वर्ग इससे जुड़ता है, उन्हें अपमानित किया जाता है.

सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार को हृदय विहीन करार देते हुए कहा कि सरकार अगर निष्पक्ष हो, तो बहुतों को न्याय मिल सकता है. लेकिन आज की सरकार संविधान के रास्ते नहीं, वर्चस्व और प्रभुत्व के रास्ते पर चल रही है.

उन्होंने कहा कि दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार एक मानसिकता है, जिसे सरकार प्रोत्साहित करती है.

प्रशासन पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने यूपी की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में दरोगा ने एक गरीब युवक से 24,000 रुपए जेब से निकलवाए. एक एसडीएम को विधायक ने थप्पड़ मार दिया क्योंकि उसने ओवरलोडिंग रोक दी थी. अधिकारी आपस में भिड़ रहे हैं, और सरकार नजर उतार रही है. अखिलेश ने आरोप लगाया कि मथुरा और वृंदावन में बीजेपी नेताओं ने भारी मात्रा में जमीन पर कब्जा किया है, लेकिन सरकार चुप है.